RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 270 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 30-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल चुनाव में केंद्रीय बल भाजपा की मदद कर रहे : ममता

6 तेल, ताकत और टकराव : होर्मुज में उलझी विश्व व्यवस्था

7 किसी को नीचे गिराकर हम खुद ऊपर नहीं उठ सकते : जीनत अमान

एग्जिट पोल: बंगाल में भाजपा को बढ़त

असम में हैट्रिक, केरल में यूडीएफ की जीत के आसार

पुडुचेरी विधानसभा

गठबंधन	एक्सिस माय इंडिया	चाणक्य स्ट्रेटेजिज़	जन की बात	टाइम्स नाउ-ईटीजी	पोल ऑफ पोल्स औसत
एनडीए (NDA)	16-20	15-19	14-18	17-21	18
कांग्रेस+	6-10	5-9	7-11	4-8	8
डी.एम.के. (DMK)	2-5	3-6	1-4	3-7	4
अन्य (OTHERS)	0-2	0-1	1-3	0-2	1
कुल औसत	38-50	19-20	13-21	0-6	30

केरल विधानसभा

गठबंधन	एक्सिस माय इंडिया	चाणक्य स्ट्रेटेजिज़	जन की बात	टाइम्स नाउ-ईटीजी	पोल ऑफ पोल्स औसत
एलडीएफ (LDF)	88-100	19-93	85-93	20-24	91
यूडीएफ (UDF)	38-50	38-50	85-93	13-18	43
एनडीए (NDA)	0-3	0-3	0-3	0-3	1
अन्य (OTHERS)	0-6	0-1	0-1	0-1	1
कुल औसत	38-50	19-20	13-21	0-6	91

तमिलनाडु विधानसभा

	'द्रमुक +	अद्रमुक +	अन्य	विपक्षी (टीवीके)
एक्सिस माय इंडिया	125-145	65-80	2-6	18-24
चाणक्य स्ट्रेटेजिज़	130-150	60-75	3-5	
जन की बात	122-140	68-83	2-6	
टाइम्स नाउ-ईटीजी	128-148	63-78	3-5	
द्रमुक + औसत	द्रमुक + औसत 135	अद्रमुक + औसत 72	औसत	4

असम विधानसभा

	एनडीए	महाजोत	निर्दलीय / अन्य
एक्सिस माई इंडिया	88-100	24-36	2-6
चाणक्य	92-98	28-34	3-5
जन की बात	85-95	26-32	3-7
टाइम्स नाउ-ईटीजी	90-98	25-33	2-6
पोल ऑफ पोल्स औसत	औसत: 92	औसत: 30	औसत: 4

पश्चिम बंगाल विधानसभा

	टीएमसी+	भाजपा+	संयुक्त मोर्चा
एक्सिस माय इंडिया	140-150	120-130	18-24
चाणक्य स्ट्रेटेजिज़	150-160	110-120	20-30
जन की बात	145-155	115-125	15-25
टाइम्स नाउ-ईटीजी	148-158	112-122	16-22
पोल ऑफ पोल्स औसत	पोड़: 151	गड़: 118	गड़: 21

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चुनाव पश्चात जारी कई सर्वेक्षणों (एग्जिट पोल) में पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बढ़त मिलने और असम में उसके जीत की हैट्रिक लगाने तथा केरल में यूडीएफ की जीत की संभावना जताई गई है, जबकि एक सर्वे ने तमिलनाडु में अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के बड़ा उलटफेर करने का अनुमान लगाया है।

प्रमुख चुनाव सर्वेक्षण एजेंसी 'एक्सिस माय इंडिया' का अनुमान है कि तमिलगा वेट्री कषगम (टीवीके) अपने पहले ही चुनाव में 98 से 120 सीटों के साथ सरकार बनाने के करीब पहुंच सकती है। यदि असल नतीजों में यही रहता है तो यह विजय का चुनावी राजनीति में करिश्माई पदार्पण होगा। यह पार्टी फरवरी, 2024 में अस्तित्व में आई है।

पश्चिम बंगाल में बुधवार को दूसरे एवं अंतिम चरण में मतदान संपन्न हुआ। इससे पहले बीते 23 अप्रैल को राज्य की 152 सीटों पर मतदान हुआ था। प्रदेश में विधानसभा की कुल 294 सीटें हैं। केरल, असम और पुडुचेरी में नौ अप्रैल तथा तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान संपन्न हुआ था।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर बुधवार शाम आए कई चुनाव सर्वेक्षण एजेंसियों के सर्वे में भाजपा को निर्णायक बढ़त या बहुमत मिलने की संभावना जताई गई। हालांकि कुछ सर्वेक्षणों ने तृणमूल कांग्रेस की सरकार बरकरार रहने का अनुमान जताया है। 'पीपुल्स पल्स' के सर्वे में कहा गया है कि तृणमूल कांग्रेस 177 से 187 सीटें हासिल करके अपनी सत्ता बरकरार रख सकती है।

बारिश के चलते अस्पताल की दीवार गिरने से भारी तबाही, 7 की मौत

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अधिकारियों को लगाई कड़ी फटकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां शिवाजीनगर इलाके में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहाँ बॉरिंग अस्पताल की पुरानी कंपाउंड दीवार गिरने से मलबे में दबकर 7 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि भारी बारिश के कारण दीवार कमजोर हो गई थी, जो अचानक वहां व्यापार कर रहे लोगों पर गिर गई। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने बॉरिंग अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में जाकर घायलों से मुलाकात की और डॉक्टरों को उनका मुफ्त और बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने इस पूरी घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये का मुआवजा व घायलों के लिए सरकार की ओर से मुफ्त इलाज की सुविधा देने की बात कही।

घटनास्थल पर निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री का सख्त तेवर देखने को मिला। उन्होंने जीबीए-(बेंगलूरु प्रशासन) और संबंधित अधिकारियों की जमकर 'क्लास' ली। लापरवाही पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा आपने अब तक क्या एक्शन लिया है? क्या आपको यह पुरानी दीवार दिखाई नहीं दे रही थी? क्या विभागों के बीच कोई तालमेल नहीं है? अगर आप समय रहते सावधान होते, तो इन मासूमों की जान बचाई जा सकती थी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों की लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस हादसे के लिए जिम्मेदार किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल, मौके पर पुलिस आयुक्त सीमान्त कुमार सिंह सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारियों ने राहत कार्य पूरा कर लिया गया है और पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।

फर्स्ट टेक

बेंगलूरु हवाई अड्डे पर एक व्यक्ति गिरफ्तार

3 करोड़ से अधिक मूल्य का हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद

बेंगलूरु। बैंकॉक से आए एक यात्री को बुधवार को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया और उसके पास से 3.18 करोड़ रुपये मूल्य का हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को मादक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया था। आरोपी की पहचान उजागर नहीं की गई है। बेंगलूरु सीमा शुल्क विभाग ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि बैंकॉक से आ रहे एक यात्री को रोका गया और उसके बैग में छिपाकर रखा गया 9.08 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा जब्त किया गया, जिसकी कीमत 3.18 करोड़ रुपये है।

कम दूरी की पोत विध्वंसक मिसाइल ने महत्वपूर्ण परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया

नई दिल्ली/भाषा। भारत की समुद्री आक्रमण क्षमताओं को बढ़ावा देते हुए रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय नौसेना ने बुधवार को कम दूरी की पोत विध्वंसक मिसाइल प्रणाली का पहला 'साल्वो लॉन्च' सफलतापूर्वक किया। 'साल्वो लॉन्च' का तात्पर्य एक ही लॉन्चर से कुछ ही सेकंड के भीतर कई मिसाइल तेजी से और लगातार दागे जाने से है। दुश्मन की रक्षा प्रणाली को ध्वस्त करने के लिए डिजाइन की गई यह रणनीति उच्च सटीकता वाले, एक के बाद एक हमले सुनिश्चित करती है। यह परीक्षण ओडिशा में बंगाल की खाड़ी के तट से दूर नौसेना के हेलीकॉप्टर के जरिए किया किया गया।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति को अदालत में अभियोग का सामना करना पड़ेगा

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और उनके सचिव समन एकनायके पर 1.66 करोड़ श्रीलंकाई रुपए के सरकारी धन के कथित दुरुपयोग के मामले में अभियोग चलाया जाएगा। एक स्थानीय अदालत को बुधवार को यह जानकारी दी। पूर्व राष्ट्रपति और एकनायके पर आरोप है कि वर्ष 2023 में विक्रमसिंघे की पत्नी के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए ब्रिटेन स्थित एक विश्वविद्यालय की यात्रा पर सरकारी धन खर्च किया गया था। विक्रमसिंघे ने 2022 से 2024 तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। उन्होंने तर्क दिया कि यह वॉल्वरहैम्प्टन विश्वविद्यालय का एक आधिकारिक निमंत्रण था और उन्होंने अन्य देशों की आधिकारिक यात्रा के बाद श्रीलंका लौटते समय पारगमन के दौरान इसमें भाग लिया था।

देश की आंतरिक सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण जितनी बाहरी सुरक्षा : आरएसएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय संयुक्त महासचिव कृष्ण गोपाल ने बुधवार को कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी देश की बाहरी सुरक्षा।

हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में पूर्व सैनिकों के एक सेमिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश की बाहरी सीमाओं पर सेना की मौजूदगी देशवासियों को सुरक्षा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, आरएसएस देश के भीतर अनुशासित और देशभक्त नागरिक बनाने में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्तमान भारतीय सेना पिछले 2000 वर्षों की सर्वश्रेष्ठ सैन्य शक्तियों में से एक है।

आरएसएस नेता ने कहा, ''सैन्य उपकरणों के निर्माण से लेकर विभिन्न वैश्विक मोर्चों पर अपनी क्षमता साबित करने तक, भारतीय सेना आग्नेयास्त्रों से लेकर घातक हथियारों तक, और छोटे विमानों से लेकर मानवरहित हवाई वाहनों तक, हर चीज के विकास में अग्रणी बन गई है।'' उन्होंने कहा कि संघ की पूरे भारत में 90,000 से अधिक शाखाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह देशभक्ति के व्यावहारिक पहलू को लागू करने में लगा हुआ है, किसानों, मजदूरों, शिक्षकों, दुकानदारों, डॉक्टरों, इंजीनियरों और समाज के हर वर्ग के नागरिकों से संपर्क कर उन्हें एक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रहा है।

बाली में एयर इंडिया के पायलट की दिल का दौरा पड़ने से मौत

नई दिल्ली/भाषा। एयर इंडिया के एक पायलट की बुधवार को इंडोनेशिया के बाली में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। पायलट वहां विश्राम अवकाश पर थे। एयरलाइन के एक अधिकारी के अनुसार, लगभग 40 वर्षीय यह 'फर्स्ट ऑफिसर' मंगलवार को दिल्ली से बाली की उड़ान परिचालित कर वहां पहुंचे थे। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि फर्स्ट ऑफिसर बाली में चालक दल के निर्धारित विश्राम पर थे, तभी उन्होंने अपने होटल में काफी बेचैनी और अस्वस्थता की शिकायत की।

प्रवक्ता ने कहा, उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां पता चला कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा है। चिकित्सा दल के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। प्रवक्ता ने कहा कि एयर इंडिया पायलट के निधन से गहरे दुख में है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन पायलट के परिवार के साथ लगातार संपर्क में है और हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है। फिलहाल घटना के बारे में अधिक विवरण का पता नहीं चल पाया है।

'तुरंत लोन' मोबाइल ऐप से रहें सावधान , साइबर ठगी का खतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान पुलिस ने बिना कागजात के कुछ ही मिनटों में 'तुरंत लोन' देने का दावा करने वाले मोबाइल ऐप के प्रति लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। पुलिस के अनुसार, साइबर ठग ऐसे ऐप के माध्यम से लोगों को निशाना बना रहे हैं।

अतिरिक्त महानिदेशक (साइबर अपराध) वी.के. सिंह के निर्देश पर पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने सोशल मीडिया, व्हाट्सएप, एसएमएस और मोबाइल ऐप के जरिए फैल रही 'तत्काल लोन' तथा तथाकथित 'चाइनीज लोन ऐप' धोखाधड़ी को लेकर परामर्श जारी किया है।

परामर्श के अनुसार, साइबर अपराधी कम समय में बिना जांच-पड़ताल (केवाईसी) और बिना दस्तावेज के लोन देने का झांसा देकर लोगों की निजी और वित्तीय जानकारी चुराते हैं तथा उनका आर्थिक और मानसिक शोषण करते हैं। ठग सोशल मीडिया विज्ञापनों, एसएमएस, व्हाट्सएप संदेशों और मोबाइल ऐप के जरिए कम ब्याज, बिना दस्तावेज और पांच मिनट में खाते में पैसा जैसे लुभावने वादों से लोगों को फंसाते हैं।

पुलिस के मुताबिक, जैसे ही कोई व्यक्ति ऐसे ऐप डाउनलोड करता है, ऐप उससे संपर्क सूची, एसएमएस, गैलरी, माइक्रोफोन और लोकेशन जैसी संवेदनशील अनुमतियां मांगता है। अनजाने में अनुमति देने पर मोबाइल का पूरा डेटा अपराधियों के सर्वर तक पहुंच सकता है और ऐप हटाने के बाद भी यह डेटा उनके पास सुरक्षित रहता है। परामर्श में कहा गया है कि ऐसे ऐप आमतौर पर सिबिल स्कोर या बैंकिंग प्रक्रिया की जांच नहीं करते, बल्कि मोबाइल में मौजूद संपर्क और निजी जानकारी का उपयोग बाद में दबाव बनाने के लिए करते हैं। शुरुआत में 3,000 से 5,000 रुपये तक की छोटी राशि देकर कुछ ही दिनों में भारी ब्याज जोड़कर 8,000 रुपये या उससे अधिक वसूला जाता है।

पुलिस ने बताया कि भुगतान न करने पर ठग पीड़ित की निजी तस्वीरों से छेड़छाड़ कर उन्हें अश्लील रूप में बदलने और परिवार या मित्रों को भेजने की धमकी देते हैं।

ईरान की मुद्रा रियाल रिकॉर्ड निचले स्तर पर

तेहरान/एपी। ईरान की राष्ट्रीय मुद्रा रियाल बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लुढ़क कर 18 लाख प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई। यह गिरावट ऐसे समय आई है जब अमेरिका और इजराइल के साथ संघर्ष के बाद लागू युद्धविराम अभी भी बना हुआ है।

28 फरवरी से शुरू युद्ध के दौरान रियाल कई हफ्तों तक अपेक्षाकृत स्थिर रहा, क्योंकि देश में कारोबार और आयात गतिविधियां काफी सीमित थीं। हालांकि, दो दिन पहले रियाल में गिरावट शुरू हुई और बुधवार को यह रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया।

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि रियाल में यह गिरावट महंगाई को और बढ़ा सकती है, क्योंकि खाद्य पदार्थों, दवाइयों, इलेक्ट्रॉनिक्स और कच्चे माल जैसे कई आयातित उत्पाद डॉलर की दर से प्रभावित होते हैं। फिलहाल युद्धविराम जारी है, लेकिन अमेरिका की नाकाबंदी ईरान की पहले से कमजोर अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा रही है। तेल निर्यात पर रोक या उसमें बाधा से सरकार की आय और विदेशी मुद्रा के प्रमुख स्रोत पर असर पड़ा है।

ग्रेट निकोबार परियोजना सबसे बड़ा घोटाला : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्री विजयपुरम/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि ग्रेट निकोबार परियोजना आदिवासी विरासत के खिलाफ गंभीर अपराध तथा सबसे बड़ा घोटाला है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने मंगलवार को निकोबार का दौरा किया था और स्थानीय लोगों से मुलाकात की थी। उन्होंने बुधवार को 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया, ''मैंने ग्रेट निकोबार की यात्रा की। मैंने अपने जीवन में ऐसे असाधारण जंगल नहीं देखे हैं। यहां बहुत पुराने पेड़ हैं, इस जंगल को विकसित होने में पीढ़ियां लग गईं।'' उन्होंने कहा कि इस द्वीप के लोग शानदार हैं लेकिन उनसे वह छीना जा रहा है जिन पर उनका असली हक है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''सरकार यहां जो कर रही है उसे ''प्रोजेक्ट'' का नाम देती है। मैंने जो देखा वह कोई प्रोजेक्ट नहीं है। यहां लाखों पेड़ों को काटने के लिए चिह्नित किया गया है। यह 160 वर्ग किलोमीटर वर्षा वन है जिसे खत्म होने के लिए अभिशप्त कर दिया गया है। यहां स्थानीय समुदाय की उपेक्षा की गई है और उनके घर छीन लिए गए हैं।''

राहुल ने कहा कि यह विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर विनाश है। उन्होंने आरोप लगाया, ''इसलिए मैं स्पष्ट रूप से कहूंगा कि ग्रेट निकोबार में जो किया जा रहा है वह हमारे जीवनकाल में इस देश की प्राकृतिक और आदिवासी विरासत के खिलाफ गंभीर अपराधों में से एक और सबसे बड़ा घोटाला है।''

सेना प्रमुख ने पेंटागन दौरे के दौरान भारत-अमेरिका सैन्य संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की

नई दिल्ली/भाषा। थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने हाल में अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन का दौरा किया और रक्षा सहयोग को मजबूत करने एवं क्षमता विकास तथा संयुक्त अभियानों में सहयोग के नए रास्ते तलाशने के उद्देश्य से वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ चर्चा की।

जनरल द्विवेदी 20 से 23 अप्रैल तक अमेरिका की आधिकारिक यात्रा पर थे।

इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''भारत-अमेरिका सैन्य संबंधों को महत्वपूर्ण बढ़ावा देते हुए, जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 23 अप्रैल को पेंटागन का दौरा किया, जिससे दोनों सेनाओं के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूती मिलेगी।''

अधिकारियों ने बताया कि यह दौरा पेंटागन में महत्वपूर्ण कार्यक्रमों पर केंद्रित था, जहां जनरल द्विवेदी ने अमेरिकी सेना के सचिव डैनियल पी ड्रिस्कॉल के साथ बातचीत की और अमेरिकी सेना के कार्यवाहक प्रमुख जनरल क्रिस्टोफर लानेव से भी मुलाकात की।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में जीत की 'हैट्रिक' लगाएगी भाजपा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरदोई (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के मतदान के बीच बुधवार को दावा किया कि पार्टी पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में जीत की 'हैट्रिक' लगाएगी।

पश्चिम बंगाल में 142 विधानसभा सीट के लिए दूसरे और अंतिम चरण का मतदान जारी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने हरदोई के मल्लावां में गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ समय पहले जब बिहार में विधानसभा चुनाव हुए तो भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने प्रचंड जीत दर्ज की और एक इतिहास रच दिया था। उन्होंने कहा, ''अभी कल ही गुजरात में महानगरपालिका, नगर पालिका, जिला पंचायत, नगर पंचायत, तहसील पंचायत इन सब के चुनाव के नतीजे आए हैं और आप मेरे उत्तर प्रदेश वासियों को खुशी होगी कि 80 से 85 प्रतिशत नगर पालिकाओं और पंचायतों में भाजपा ने जीत दर्ज की है। मुझे विश्वास है कि इन पांच राज्यों के चुनाव में भी भाजपा ऐतिहासिक जीत के साथ 'हैट्रिक' लगाने जा रही है।'' उन्होंने कहा कि चार मई के नतीजे विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करेंगे और देश के विकास की गति को नई ऊर्जा से भरेंगे। उन्होंने कहा, ''आज लोकतंत्र के उत्सव का भी एक अहम दिन है। बंगाल में इस समय दूसरे चरण का मतदान हो रहा है और जो खबरें आ रही है उनसे पता चलता है कि बंगाल में भारी मतदान हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि पहले चरण की तरह ही लोग वोट देने के लिए बड़ी संख्या में घरों से निकल रहे हैं, लंबी-लंबी कतारों की तस्वीरें सोशल मीडिया में छाई हुई हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले छह-सात दशक में जो नहीं हुआ, जिसकी कल्पना भी मुश्किल थी, वैसे निर्भीक वातावरण में बंगाल में इस बार मतदान हो रहा है। लोग भय मुक्त होकर वोट दे रहे हैं। यह देश के संविधान और देश के मजबूत होते लोकतंत्र का पुण्य प्रतीक है। मैं बंगाल की महान जनता का आभार व्यक्त करता हूं कि वह अपने अधिकार के प्रति इतनी सजग है और बड़ी संख्या में मतदान कर रही है।'' उन्होंने कहा कि अभी मतदान खत्म होने में कई घंटे बाकी हैं। उन्होंने कहा, ''मैं बंगाल की जनता से आग्रह करूंगा कि लोकतंत्र के इस पर्व में ऐसे ही उत्साह से भाग ले।''

प्रधानमंत्री ने गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इसका नाम 'मां गंगा' के नाम पर रखना विकास और सांस्कृतिक विरासत के समन्वय को दर्शाता है। उन्होंने राज्य के लोगों को इस परियोजना के लिए बधाई दी।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में हालिया चुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने प्रचंड जीत हासिल की थी।

30-04-2026 सूर्यास्त 6:34 बजे | 01-05-2026 सूर्योदय 5:59 बजे

BSE 77,496.36 (+609.45) | NSE 24,177.65 (+181.95)

सोना 15,490 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 243,689 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जाति न पूछो...

प्रत्याशी का चयन करे दल,
जाति वर्ग का ले आधार।
जब पूछे यदि जाति कोई तो,
देते सब उसको धिक्कार।
धर्म जाति से करे सियासत,
पर करते उससे इन्कार।
नेताओं की लोकतंत्र में,
लीलाएं हैं अपरम्पार।।

यूनिटेक के 22,000 घर खरीदारों को घर दिलाना हमारा मकसदः न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने संकटग्रस्त रियल एस्टेट कंपनी यूनिटेक लिमिटेड के करीब 22,000 घर खरीदारों को उनके घर दिलाने को अपना मुख्य उद्देश्य बताते हुए बुधवार को कंपनी के नवनियुक्त बोर्ड, बैंकों और वित्तीय संस्थानों से इस लंबित विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए सुझाव देने को कहा।

न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने घर खरीदारों और भूमि स्वामित्व एजेंसियों के वकीलों से भी एक सप्ताह के भीतर दो पन्नों का नोट दाखिल करने को कहा, जिसमें लंबे समय से चले आ रहे इस मुद्दे के समाधान के सुझाव हों।

शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा, हमारा उद्देश्य घर खरीदारों को घर मुहैया कराना है। पीठ ने इस बात पर भी जोर दिया कि मामले का कोई न कोई व्यावहारिक समाधान निकाला जाना चाहिए।

पीठ ने तीन परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनियों (एआरसी) के अलावा सात बैंकों और वित्तीय संस्थानों से भी गतिरोध दूर करने के उपाय सुझाने को कहा।

करीब 22,000 खरीदार यूनिटेक की परियोजनाओं में बुक किए गए घरों का कई वर्षों से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, सरकार द्वारा नियुक्त बोर्ड ने इस कंपनी का प्रबंधन अपने हाथ में ले लिया है।

मामले में कंपनी पर कुल बकाया राशि करीब 14,129.85 करोड़ रुपए बताई गई है।

शीर्ष अदालत ने घर खरीदारों की तरफ से जमा कराई गई रकम के बारे में सवाल पूछा। इस पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एन वेंकटरमण ने कहा कि पूर्व प्रवर्तकों ने इस रकम को कर चोरी के लिहाज से सुरक्षित माने जाने वाले देशों में स्थानांतरित कर दिया था। उन्होंने कंपनी की वित्तीय चुनौतियों और परियोजना पूरे करने में आ रही बाधाओं का जिक्र करते हुए सुझाव दिया कि मौजूदा बोर्ड की जगह एक नया बोर्ड नियुक्त किया जाए, जो 22,000 घरों की आपूर्ति जैसे अहम मुद्दों पर काम कर सके।

शीर्ष अदालत ने संकेत दिया कि वह इस मामले में समाधान पर विचार कर रही है और एक सप्ताह बाद अगली सुनवाई में कोई आदेश पारित कर सकती है। यह मामला 2016 से ही लंबित है।

उच्चतम न्यायालय ने जनवरी, 2020 में कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय को यूनिटेक लिमिटेड का प्रबंधन अपने हाथ में लेने की अनुमति दी थी, ताकि अटकी परियोजनाओं को पूरा कर घर खरीदारों को राहत दी जा सके।

गुजरात के साबरकांठा में बस की वैन से टक्कर होने के बाद छह महिलाओं की मौत, आठ लोग घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

साबरकांठा (गुजरात)/भाषा। गुजरात के साबरकांठा जिले में एक राजमार्ग पर बुधवार को एक निजी बस द्वारा एक वैन को टक्कर मारने के बाद छह महिलाओं की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) ए. के. पटेल ने बताया कि वैन अरावली जिले के मोडासा से महिलाओं को ले जा रही थी तभी जिले में शामलाजी को हिम्मतनगर से जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर एक तेज रफ्तार बस ने उसे पीछे से टक्कर मार दी।

पुलिस के अनुसार, ये महिलाएं सामाजिक कार्यक्रमों के लिए काम करने वाली 'कैटरिंग टीम'' का हिस्सा थीं, जो पड़ोसी अरावली जिले के मोडासा से हिम्मतनगर के हुंज गांव में एक समारोह में शामिल होने जा रही थीं।

पटेल ने बताया कि वैन सवार छह महिला यात्रियों की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, इस घटना में छह अन्य महिलाएं, एक पुरुष और वैन चालक घायल हो गए।

घायलों को तुरंत हिम्मतनगर सिविल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. ध्रुपद चौहान ने बताया कि उनमें से दो लोगों की हालत गंभीर है।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया है।

बैंक ऋण वृद्धि अप्रैल के पहले पखवाड़े में घटकर 15 प्रतिशत परः आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बैंक ऋण वृद्धि की गति 15 अप्रैल को समाप्त पखवाड़े में धीमी होकर 15 प्रतिशत से नीचे आ गई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

आरबीआई के बुधवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, 15 अप्रैल को समाप्त पखवाड़े में बैंक ऋण वृद्धि की सालाना दर घटकर 14.88 प्रतिशत रही, जबकि इससे पिछले पखवाड़े में यह 15.96 प्रतिशत थी। इस अवधि में कुल बैंक ऋण में 2.06 प्रतिशत यानी 4.51 लाख करोड़ रुपए की कमी दर्ज की गई। 15 अप्रैल को समाप्त पखवाड़े में बैंक ऋण 214 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि 31 मार्च को समाप्त पखवाड़े में यह 218 लाख करोड़ रुपए था।

पिछले वर्ष इसी अवधि में बैंक ऋण 186 लाख करोड़ रुपए था।

आरबीआई ने कहा कि 31 मार्च को समाप्त पखवाड़े में बैंक ऋण में पिछले दो वित्त वर्षों की सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई थी, क्योंकि वित्त वर्ष के अंत में लक्ष्य पूरा करने के लिए बैंकों ने तेजी से ऋण और जमा दोनों में वृद्धि की थी।

आंकड़ों के अनुसार, बैंक ऋण वृद्धि लगातार सात से अधिक महीनों से दहाई अंक में बनी हुई है, जो मजबूत ऋण मांग को दर्शाती है। सितंबर में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) ढांचे में बदलाव के बाद से ऋण विस्तार में तेजी देखी गई है।

इस अवधि में बैंक जमा में भी 12.12 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की गई। 15 अप्रैल को समाप्त पखवाड़े में बैंक जमा 261.88 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष 18 अप्रैल, 2025 को समाप्त पखवाड़े में यह 233.56 लाख करोड़ रुपए था।

सरकारी प्रतिभूतियों (केंद्र और राज्य सरकार) में बैंकों का निवेश बढ़कर 70.64 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक वर्ष पहले 68.49 लाख करोड़ रुपए था।

छत्तीसगढ़ बोर्ड के 10वीं-12वीं कक्षा के परिणाम घोषित, लड़कियों ने फिर मारी बाजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (सीजीबीएसई) ने बुधवार को 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए, जिनमें लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया और कुल उत्तीर्ण प्रतिशत में पिछले वर्ष की तुलना में मामूली सुधार दर्ज किया गया।

सीजीबीएसई से मिली जानकारी के मुताबिक 12वीं कक्षा का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 83.04 रहा, जबकि 10वीं कक्षा का परिणाम 77.15 प्रतिशत रहा। दोनों कक्षा की परीक्षाओं में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया।

सीजीबीएसई के मुताबिक 12वीं कक्षा में लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 86.04 और लड़कों का 78.86 रहा, जबकि 10वीं में लड़कियों का परिणाम 81.03 प्रतिशत और लड़कों का 72.27 प्रतिशत रहा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव और स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव की मौजूदगी में परिणाम घोषित किए। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार 12वीं कक्षा (हायर सेकेंडरी) परीक्षा 2026 के लिए 2,46,166 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 2,44,453 विद्यार्थी (1,02,259 लड़के और 1,42,194 लड़कियां) परीक्षा में शामिल हुए। इनमें से 2,43,898 विद्यार्थियों का परिणाम घोषित किया गया, जिनमें 2,02,549 (83.04 प्रतिशत) उत्तीर्ण हुए। सफल विद्यार्थियों में 1,27,334 (52.2 प्रतिशत) प्रथम श्रेणी, 72,402 (29.68 प्रतिशत) द्वितीय श्रेणी और 2,806 (1.15 प्रतिशत) तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए, जबकि सात विद्यार्थियों को 'पास श्रेणी' मिली। वहीं, 23,866 विद्यार्थी एक या दो विषयों में अनुत्तीर्ण रहे। विभिन्न कारणों से 63 विद्यार्थियों के परिणाम रोके गए, जिनमें अनुचित साधनों के पांच मामले शामिल हैं। इसके अलावा 492 आवेदन अयोग्यता के कारण निरस्त किए गए और दो विद्यार्थियों के परिणाम बाद में घोषित किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ में साय मंत्री परिषद ने 'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति, 2026' को दी मंजूरी

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ में मंत्रिपरिषद ने राज्य में स्वच्छ एवं सस्ती प्राकृतिक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए 'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति, 2026' को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित मंत्री परिषद की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। अधिकारियों ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने 'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति, 2026' को मंजूरी प्रदान की है। इस नीति के माध्यम से प्रदेश में स्वच्छ एवं सस्ती प्राकृतिक गैस की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी और आम उपभोक्ताओं को एलपीजी की तुलना में किफायती विकल्प मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस नीति से पाइपलाइन के माध्यम से गैस की त्वरित और सुगम आपूर्ति का विस्तार होगा, जिससे शहरी क्षेत्रों में सुविधाजनक ईंधन व्यवस्था विकसित होगी। इस पहल से स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा, ईंधन उपयोग में विविधता आएगी और राज्य में पाइपलाइन अवसंरचना के विकास के साथ बड़े पैमाने पर निवेश एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे के निर्माण की जरूरतः सागर अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अदाणी ग्रीन एनर्जी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने बुधवार को युद्ध और संघर्ष जैसे वैश्विक संकटों के प्रभाव से निपटने के लिए ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और घरेलू बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया।

सागर अदाणी ने 'रिजिलिएंट फ्यूचर्स समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि अब देशों को केवल तेज आर्थिक वृद्धि पर नहीं, बल्कि झटकों को झेलने की क्षमता पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा, हमने देखा है कि एक क्षेत्र में संघर्ष पूरी दुनिया की आपूर्ति शृंखला को प्रभावित कर देता है। ऊर्जा बाजार में झटके अर्थव्यवस्थाओं पर रातोंरात असर डालते हैं। अब सवाल सिर्फ यह नहीं है कि हम कितनी तेजी से बढ़ सकते हैं, बल्कि यह है कि हम व्यवधानों का सामना कितनी मजबूती से कर सकते हैं। अदाणी ने कहा कि ऊर्जा हर क्षेत्र की बुनियाद है। जल सुरक्षा के लिए जलशोधन एवं वितरण में ऊर्जा की जरूरत होती है, जबकि खाद्य सुरक्षा उर्वरक, सिंचाई एवं लॉजिस्टिक पर निर्भर है। इसी तरह डिजिटल अर्थव्यवस्था- डेटा सेंटर, एआई और कंप्यूटिंग भी ऊर्जा पर आधारित है। भारत के 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसके लिए अगले दो दशकों में करीब 2,000 गीगावॉट की नई क्षमता जोड़नी होगी, जो एक संरचनात्मक बदलाव होगा। अदाणी समूह ऊर्जा परिवर्तन के लिए 100 अरब डॉलर निवेश करने की प्रतिबद्धता जता चुका है, जो वैश्विक स्तर पर निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी पहलों में से एक है। अदाणी ने कहा बंदरगाह, लॉजिस्टिक, हवाई अड्डे और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में अदाणी समूह की मौजूदगी भी इसी व्यापक दृष्टि का हिस्सा है, क्योंकि मजबूती अलग-अलग हिस्सों में नहीं, बल्कि समग्र ढांचे के जरिए बनती है।

तेलंगाना में वैवाहिक मतभेद से नाराज एक दंपति बच्चियों को थाने में छोड़कर चला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

करीमनगर (तेलंगाना)/भाषा। तेलंगाना के करीमनगर जिले में प्रेम विवाह करने वाला एक दंपति वैवाहिक मतभेदों को दूर करने के लिए थाने में सुलह चर्चा के दौरान अपनी दो छोटी बेटियों को वहीं छोड़कर चला गया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बुधवार को बताया कि इस दंपति की 10 साल पहले शादी हुई थी तथा उनकी अब सात और पांच साल की दो बेटियां हैं।

दो हफ्ते पहले मतभेद होने पर दंपति एलएमडी कॉलोनी थाने पहुंचा था।महिला ने आरोप लगाया कि हाल में उसके पति ने उसके साथ मारपीट की है। पति के रवैये से परेशान होकर पत्नी मंगलवार को अपनी दो बेटियों के साथ थाने पहुंची।

पुलिस पति-पत्नी को समझा रही थी तभी पत्नी ने अपना मंगलसूत्र और बिछिया उतारकर निरीक्षक की मेज पर रख दीं एवं अकेले ही वहां से चली गई।

पुलिस ने बताया कि पति भी वहां बैठी बेटियों की तरफ देखे बिना ही चला गया।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, '' हमने उनसे मोबाइल फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।''

पुलिस ने बाद में बच्चियों को उनके दादा-दादी के हवाले कर दिया।

अंतरराष्ट्रीय हथियार गिरोह का भंडाफोड़; नौ गिरफ्तार, 23 हथियार जब्त

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने उत्तर भारत में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है और नौ लोगों को गिरफ्तार किया है।

एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि पुलिस ने 23 अत्याधुनिक हथियार और 92 कारतूस जब्त किए। उन्होंने कहा कि यह गिरोह पूरे उत्तर भारत में सक्रिय था और सीमा पार से हथियार प्राप्त करता था। इसका संचालन राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के मामले में पेरौल लेकर फरार हुआ भगोड़ा अपराधी शाहबाज अंसारी और उसका चाचा रेहान अंसारी कर रहा था। रेहान भी भगोड़ा अपराधी है।

पुलिस ने पिछले पखवाड़े में दिल्ली और उत्तर प्रदेश में समन्वित अभियानों चलाए जिसके तहत गिरफ्तारियां और जब्ती हुई। पुलिस के अनुसार, इस गिरोह ने विदेशी निर्मित हथियार हासिल किए, जिन्हें कथित तौर पर नेपाल सीमा के रास्ते भारत में लाया गया और उनकी दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश में आपराधिक नेटवर्क को आपूर्ति की गई।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने धीरेंद्र शास्त्री के विरूद्ध किया प्रदर्शन, प्राथमिकी दर्ज करने की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे (महाराष्ट्र)/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को यहां कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर छत्रपति शिवाजी महाराज के बारे में उनकी 'आपत्तिजनक टिप्पणियों' को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। पार्टी ने यह भी मांग की कि बागेश्वर धाम के मुख्य पुजारी के महाराष्ट्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जाए। पार्टी ने कहा कि शिवाजी महाराज का अपमान करने वालों के लिए महाराष्ट्र में कोई जगह नहीं है। उसने यह भी कहा कि प्रदर्शन का नेतृत्व ठाणे जिला अध्यक्ष विक्रांत चव्हाण ने किया।

चव्हाण ने कहा,''छत्रपति शिवाजी महाराज हमारी पहचान के प्रतीक हैं। हम बागेश्वर धाम बाबा जैसे लोगों को बर्दाश्त नहीं करेंगे, जो उनके बारे में अपमानजनक बयान देते हैं। इस बात की गहन जांच होनी चाहिए कि इसके पीछे किसका हाथ है।'' उन्होंने शास्त्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई न होने पर प्रदर्शन और तेज करने की चेतावनी दी। विरोध प्रदर्शनों के बीच, शास्त्री ने रविवार को छत्रपति शिवाजी महाराज पर अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी। उन्होंने कुछ लोगों पर सोशल मीडिया पर उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का दावा किया। नागपुर में एक कार्यक्रम में शास्त्री के इस दावे के बाद विवाद खड़ा हो गया कि शिवाजी महाराज ने युद्ध से थक जाने के कारण अपने दायित्वों का त्याग करने की इच्छा व्यक्त की थी और अपना मुकुट लेकर अपने 'गुरु' समर्थ रामदास के पास गए थे।

निर्यात में अप्रैल में अब तक मजबूत वृद्धि : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद अप्रैल के पहले तीन हफ्तों में देश के निर्यात में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है।

गोयल ने यह भी कहा कि भारत द्वारा किए गए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) घरेलू उद्योग को बड़ा प्रोत्साहन देंगे। गोयल ने संवाददाताओं से कहा, इस साल अप्रैल के पहले तीन हफ्तों में पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में निर्यात में वृद्धि हुई है। पश्चिम एशिया में युद्ध जैसी स्थिति के बावजूद घरेलू निर्यातकों में काफी उत्साह है। पश्चिम एशिया को निर्यात के बारे में उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य चुनौती बना हुआ है, इसलिए माल भेजने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग किया जा रहा है। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा, करीब एक सप्ताह पहले हमारी बहुत अच्छी चर्चा हुई थी। हमारा प्रतिनिधिमंडल लौट आया है और बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि सरकार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ), ऑस्ट्रेलिया, मॉरीशस और ओमान के साथ व्यापार समझौते अंतिम रूप दे चुकी है। गोयल ने कहा, करीब 12 अन्य समझौते भी प्रक्रिया में हैं।

भारत इजराइल, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) और कनाडा के साथ भी व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) पर मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में यह लगभग 87-90 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2025-26 की अप्रैल-दिसंबर अवधि के दौरान कुल एफडीआई प्रवाह 73.31 अरब डॉलर रहा।

टाटा मोटर्स ने वित्त वर्ष 2025-26 में 144 पेटेंट आवेदन दाखिल किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में 144 पेटेंट आवेदन दाखिल किए। यह एक वर्ष में अब तक की सर्वाधिक संख्या है।

कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि ये आवेदन वाहन सुरक्षा को अच्छा बनाने, विश्वसनीयता बढ़ाने, ग्राहकों की कुल लागत को कम करने और यात्रियों के आराम को बेहतर बनाने जैसे रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप हैं। टाटा मोटर्स के उपाध्यक्ष एवं इंजीनियरिंग प्रमुख अनिरुद्ध कुलकर्णी ने कहा, वित्त वर्ष 2025-26 में दाखिल पेटेंट आवेदनों की रिकॉर्ड संख्या हमारी इंजीनियरिंग टीम के जुनून, रचनात्मकता और तकनीकी उत्कृष्टता का प्रमाण है। आगे भी हम अपनी नवाचार क्षमताओं का उपयोग ग्राहकों, समाज और देश के दीर्घकालिक हितों के लिए करते रहेंगे। कंपनी ने कहा कि यह प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि वह भविष्य को ध्यान में रखते हुए टिकाऊ और आधुनिक परिवहन समाधानों पर काम कर रही है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी ने पेटेंट आवेदनों के अलावा 21 डिजाइन और 35 कॉपीराइट आवेदन भी दाखिल किए, जिससे उसकी बौद्धिक संपदा को और मजबूती मिली। इसके अलावा, कंपनी को 15 पेटेंट स्वीकृतियां भी मिलीं, जिससे कुल स्वीकृत पेटेंट की संख्या 650 से अधिक हो गई।

रेलवे पंजाब में माल ढुलाई गलियारे की ड्रोन निगरानी शुरू करेगाः रवणीत सिंह बिट्टू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब में पूर्वी समर्पित माल ढुलाई गलियारे को निशाना बनाकर पिछले तीन महीनों में किए गए दो विस्फोटों के मद्देनजर केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बुधवार को कहा कि रेलवे प्रदेश में 24 घंटे गश्त तेज करेगा और पटरियों पर निगरानी बढ़ायेगा।

बिट्टू ने शंभू और राजपुरा के बीच विस्फोट स्थल का दौरा किया एवं स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने राज्य में बार-बार रेलवे बुनियादी ढांचे को निशाना बनाये जाने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की और आश्वासन दिया कि सुरक्षा और निगरानी को मजबूत करने के लिए सख्त एवं तत्काल उपाय किए जाएंगे। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित खालिस्तान समर्थक आतंकी मॉड्यूल (टोली) ने सोमवार देर रात पटियाला में शंभू के पास माल ढुलाई गलियारे पर विस्फोट किया। पंजाब पुलिस ने मंगलवार को बताया कि विस्फोटकों में धमाका करने की कोशिश में एक संदिग्ध की मौत हो गई, जबकि गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया। रेल राज्य मंत्री ने पत्रकारों को पूर्वी समर्पित माल ढुलाई गलियारे (ईडीएफसी) पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि रेलवे गलियारे पर 24 घंटे गश्त तेज करेगा और निगरानी क्षेत्र का व्यापक विस्तार करेगा।

उनका कहना था कि फिलहाल अंबाला मंडल के पंजाब क्षेत्र में 173 सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं तथा और कैमरे लगाए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि रेलवे गलियारे के सुनसान और संवेदनशील हिस्सों पर विशेष ध्यान देगा, जहां ड्रोन निगरानी समेत उन्नत निगरानी विधियों की मदद ली जायेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, प्रमुख रेलवे कर्मी पटरियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर गश्त करेंगे। बिट्टू ने कहा, हम ड्रोन तैनात करेंगे क्योंकि लंबी दूरी तक निगरानी रखने के लिए केवल सीसीटीवी कैमरे पर्याप्त नहीं होंगे। हम सौर कैमरे भी लगा रहे हैं।

मंगलवार को विस्फोट स्थल का दौरा करने वाली विशेष पुलिस महानिदेशक (रेलवे) शशि प्रभा द्विवेदी ने भी माल ढुलाई गलियारे के आसपास सीसीटीवी लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया था। बिट्टू ने बताया कि माल ढुलाई गलियारे पर लगभग 35 किलोमीटर की दूरी के भीतर तीन महीने के अंतराल में यह दूसरा विस्फोट है। उन्होंने कहा कि पंजाब में शांति और सद्भाव भंग करने के प्रयास में 200 से अधिक समूह सक्रिय हैं।

पिपरहवा में मिले बुद्ध के अवशेष लेह लाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लेह/भाषा। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के पिपरहवा में मिले गौतम बुद्ध के पवित्र अवशेष बुधवार को हवाई मार्ग से दिल्ली से लेह लाए गए, जहां बड़ी संख्या में लोग उनके दर्शन के लिए जुटे।

लेह हवाई अड्डे के टेक्निकल एरिया में उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने एक भव्य स्वागत समारोह के दौरान औपचारिक रूप से इन अवशेषों को स्वीकार किया। समारोह में कई धार्मिक हस्तियां और सरकारी अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर पारंपरिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ कई पवित्र अनुष्ठान आयोजित किए गए।

अधिकारियों के मुताबिक, माथो मठ के द्रुकपा थुकसे रिनपोचे और खेनपो थिनलास चोसल भारतीय वायुसेना के एक विशेष विमान से इन अवेशेषों को लेह लेकर पहुंचे। ये अवशेष मई के शुरुआती दो हफ्तों में आम लोगों के दर्शन के लिए रखे जाएंगे।

अधिकारियों के अनुसार, बुद्ध के अवशेषों के लेह पहुंचने पर लद्दाख पुलिस ने औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जबकि भिक्षुओं ने विशेष प्रार्थनाएं कीं। वहीं, सक्सेना ने लद्दाख की जनता की ओर से इन पर 'खटक' (पारंपरिक सफेद चादर) चढ़ाई।

अधिकारियों ने बताया कि अवशेषों को सड़क मार्ग से जीवत्सल ले जाया गया, जहां इस साल एक मई को बुद्ध पूर्णिमा के असवर पर इन्हें सार्वजनिक दर्शन के लिए रखा जाएगा।

पिपरहवा में मिले गौतम बुद्ध के अवशेषों को इससे पहले थाईलैंड, मंगोलिया, वियतनाम, रूस, सिंगापुर, भूटान, श्रीलंका और म्यांमा जैसे देशों में भी श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए ले जाया जा चुका है।

अधिकारियों ने बताया कि लद्दाख में ये अवशेष एक मई से 10 मई तक जीवत्सल में सार्वजनिक दर्शन के लिए रखे जाएंगे। उन्होंने बताया कि 11-12 मई को इन्हें जांस्कर और 13-14 मई को लेह के धर्म केंद्र में लोगों के दर्शन के लिए रखा जाएगा। 15 मई को ये अवशेष हवाई मार्ग से वापस दिल्ली ले जाए जाएंगे, जहां इन्हें संरक्षित रखा गया है।

अधिकारियों के मुताबिक, पिपरहवा में मिले बुद्ध के अवशेषों के दर्शन के लिए गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य केंद्रीय मंत्रियों, कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों और विभिन्न बौद्ध संगठनों के प्रतिनिधियों के लद्दाख की यात्रा करने की संभावना है।

बेंगलूरु में राहत की बारिश बनी आफत, अस्पताल की दीवार गिरने से 7 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में बुधवार शाम मौसम ने करवट बदली। जहाँ एक ओर भीषण गर्मी से जूझ रहे शहरवासियों को मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि ने राहत दी, वहीं शिवाजीनगर इलाके से एक हृदयविदारक खबर सामने आई है। यहाँ एक सरकारी अस्पताल की दीवार ढहने से तीन बच्चों समेत सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

घटना शिवाजीनगर स्थित बोरिंग और लेडी कर्जन अस्पताल परिसर की है। पुलिस प्रशासन के अनुसार, शाम को अचानक शुरू हुई तेज हवाओं और भारी बारिश से बचने के लिए कुछ रेहड़ी-पटरी वालों ने अस्पताल की एक दीवार के पास शरण ली थी। इसी दौरान जर्जर दीवार अचानक ढह गई और वहां मौजूद लोग मलबे के नीचे दब गए।हादसे में 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। मरने वालों में 3 मासूम बच्चे भी शामिल हैं। सभी मृतक स्थानीय रेहड़ी-पटरी वाले बताए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और आपातकालीन सेवाओं ने स्थानीय लोगों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया और शवों और घायलों को बाहर निकाला। हादसे की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और पुलिस आयुक्त सीमान्त कुमार सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ घटनास्थल का दौरा किया। मुख्यमंत्री ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और प्रभावित परिवारों को सहायता का आश्वासन दिया है। शाम करीब 5 बजे शुरू हुई तेज हवा और मूसलाधार बारिश ने महज कुछ ही देर में शहर की सूरत बिगाड़ दी।

विजयनगर, आरटीनगर, जयनगर और चामराजपेट सहित कई इलाकों में भारी ओलावृष्टि दर्ज की गई। शेषाद्रीपुरम्, जेपीनगर, उप्पारपेट, विल्सन गार्डन और सदाशिवनगर विजयनगर, आरटीनगर, जयनगर और चामराजपेट जैसे क्षेत्रों में दर्जनों पेड़ जड़ से उखड़ गए, जिससे कई जगह बिजली आपूर्ति ठप हो गई। मूसलाधार बारिश के बाद जलभराव की वजह से शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। मेट्रो स्टेशनों और मुख्य चौराहों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। निचले इलाकों में पानी भरने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में और बारिश की संभावना जताई है। प्रशासन ने लोगों को जर्जर इमारतों और पेड़ों से दूर रहने की सलाह दी है।

कर्नाटक में छात्र की मौत पर सियासत

पुलिस उत्पीड़न के आरोप, भाजपा ने सरकार से मांगा जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को एक कड़ा बयान जारी कर एक छात्र की मौत में पुलिस की कथित भूमिका की निंदा की। पार्टी ने इसे लालच और सत्ता के दुरुपयोग से प्रेरित दुखद घटना बताया। राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने आरोपों से इनकार किया और आश्वासन दिया कि वे इस घटना के बारे में जानकारी जुटाएंगे और पूरी जांच सुनिश्चित करेंगे। इस घटना को लेकर राज्य भाजपा अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि एक निर्दोष और गरीब छात्र, जिसने मुश्किलों के बावजूद शिक्षा के जरिए एक बेहतर जीवन बनाने का सपना देखा था, पुलिस अधिकारियों द्वारा पैसे मांगने के लिए किए गए कथित उत्पीड़न के कारण अपनी जान गंवा बैठा।

उन्होंने इस घटना को 'बेहद दर्दनाक और दुखद' बताया और राज्य सरकार से इसमें शामिल वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नशीले पदार्थों पर नियंत्रण के नाम पर पुलिस विभाग ने एक निर्दोष की जान ले ली, और कहा कि यह स्थिति कर्नाटक में कानून व्यवस्था में गंभीर गिरावट को दर्शाती है। उन्होंने दावा किया कि कानून लागू करने वाली एजेंसियां इतने निचले स्तर तक गिर गई हैं, जहां निर्दोष लोगों का शोषण और उनसे जबरन वसूली की जा रही है।

विजयेंद्र के मुताबिक, मृतक छात्र की पहचान आदित्य मगेरी के रूप में हुई है, जो बागलकोट जिले के बेलूर गांव का रहने वाला था और शिक्षा के लिए धारवाड़ आया था। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र को गलत तरीके से नशीले पदार्थों से जुड़े एक मामले में फंसाया गया था, और मेडिकल रिपोर्ट द्वारा उसकी बेगुनाही की पुष्टि होने के बाद भी पैसे के लिए उसे लगातार उत्पीड़न किया जाता रहा। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह जानते हुए भी कि छात्र निर्दोष है, पुलिस अधिकारियों ने बार-बार डिजिटल पेमेंट के जरिए रिश्वत की मांग की, जिससे उसे गहरा मानसिक कष्ट हुआ। दबाव सहन न कर पाने के कारण छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार को इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, गृह मंत्री जी. परमेश्वर और पुलिस महानिदेशक एम.ए. सलीम से जवाबदेही की मांग की। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह यह सुनिश्चित करे कि निर्दोष व्यक्तियों के साथ इस तरह का उत्पीड़न दोबारा न हो, और वरिष्ठ अधिकारियों सहित, इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने छात्र के शोक संतप्त परिवार के लिए कम से कम 50 लाख रुपए के मुआवजे की भी मांग की, और चेतावनी दी कि कार्रवाई करने में विफलता राज्य सरकार की ओर से करुणा की कमी को दर्शाएगी।

एक फर्जी गांजा केस में एक छात्र की कथित आत्महत्या के लिए भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को जिम्मेदार ठहराए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए जी. परमेश्वर ने कहा कि राज्य सरकार पूरे राज्य के लिए जिम्मेदार है, लेकिन हर घटना के लिए उसे ही जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि जाहिर है कि हमारे (राज्य सरकार के) खिलाफ ऐसे आरोप लगाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस घटना के बारे में पूरी जानकारी इकट्ठा करेंगे।

मंत्री परमेश्वर ने कहा कि छात्र ने ऐसा कदम क्यों उठाया और इसके लिए कौन जिम्मेदार है, इसकी जांच की जाएगी। आज कमिश्नर के कार्यालय में एक मीटिंग है, जिसके बाद मैं इस मामले पर बात करूंगा।

यह घटना 26 अप्रैल को हुई थी। मृतक लड़के की मां ने आरोप लगाया कि उन्हें अपने बेटे का फोन आया था, जिसमें उसने उनसे अपने खाते में 2,000 रुपए जमा करने को कहा था, ताकि वह पैसे पुलिस को दे सके और ड्रग्स से जुड़े किसी केस में न फंसे। उन्होंने दावा किया कि 26 अप्रैल को उन्हें एक और फोन आया और उन्हें बताया गया कि उसके बेटे ने आत्महत्या कर ली है।

स्वागत

बुधवार को बेंगलूरु में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कर्नाटक लोक भवन पहुंचने पर त्रिपुरा के राज्यपाल एन. इंद्रसेना रेड्डी का स्वागत किया।

जेल में बंद कन्नड़ सुपरस्टार दर्शन जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे, जांच में देरी का दिया हवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अपने प्रशंसक रेनुकास्वामी की सनसनीखेज हत्या के मामले में आरोपी नंबर 2 और जेल में बंद अभिनेता दर्शन ने सबूतों की जांच में हो रही देरी का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। अभिनेता दर्शन ने इस मामले में सबूतों की जांच में देरी का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट में नई जमानत याचिका दाखिल की है। यह याचिका 14 अप्रैल को दाखिल की गई। दर्शन ने अपनी याचिका में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले निचली अदालत को सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया था, लेकिन इसके बावजूद ट्रायल में देरी हो रही है और मामले के निपटारे में एक साल से अधिक समय लग सकता है। अब तक उन्होंने जांच और ट्रायल की प्रक्रिया में पूरा सहयोग किया है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट द्वारा दर्शन को दी गई जमानत रद्द कर दी थी। शीर्ष अदालत के आदेश के बाद उन्हें पिछले साल 14 अगस्त को दोबारा गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल वह बेंगलूरु की परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में बंद हैं। कर्नाटक हाईकोर्ट से मिली जमानत रद्द होने के बाद इस बार दर्शन ने सीधे सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। इस मामले पर अगले सप्ताह सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होने की संभावना है।

दर्शन के प्रशंसक रेनुकास्वामी की 8 जून 2024 को बेंगलूरु में बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। रेनुकास्वामी का चित्रदुर्ग स्थित उनके घर से अपहरण किया गया, फिर उन्हें बेंगलूरु लाकर एक शेड में रखा गया और कथित तौर पर प्रताड़ित कर मौत के घाट उतार दिया गया। हत्या के बाद शव को नहर में फेंक दिया गया था। इस घटना का खुलासा तब हुआ, जब एक निजी अपार्टमेंट के सुरक्षा कर्मियों ने कुत्तों के झुंड को शव घसीटते देखा। मामले में बेंगलूरु पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल 3,991 पन्नों की चार्जशीट में खुलासा हुआ है कि रेनुकास्वामी ने कथित तौर पर सुपरस्टार दर्शन की करीबी पवित्रा गौड़ा को उनके साथ गुप्त लिव-इन रिलेशनशिप में रहने का प्रस्ताव दिया था।

बेंगलूरु में 16 गिरफ्तार, 36 करोड़ रुपये से अधिक के मादक पदार्थ जब्त : परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को बताया कि बेंगलूरु नगर पुलिस ने हाल ही में चलाए गए एक अभियान के तहत 16 लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 36 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में चार विदेशी नागरिक, अन्य राज्यों के आठ व्यक्ति और चार स्थानीय निवासी शामिल हैं।

परमेश्वर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि एक बड़े अभियान में केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी), उत्तर-पूर्व प्रभाग, उत्तर प्रभाग और मादक पदार्थ रोधी शाखा ने मिलकर इन 16 लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा, 36 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ जब्त कर सभी के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं।

गृह मंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार का लक्ष्य तीन स्तरों (आपूर्ति, उत्पादन और उपभोग) पर मादक पदार्थों को फैलने से रोकना है।

जल संकट से निपटने में नाकामी पर भाजपा ने सिद्दरामय्या सरकार पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता और वरिष्ठ भाजपा नेता आर. अशोक ने बुधवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला और राज्य में भीषण लू व पानी की कमी के बीच किसानों की पूरी तरह अनदेखी करने का आरोप लगाया। आर अशोक ने कहा कि राज्य के कई हिस्सों में भीषण गर्मी के कारण फसलें बर्बाद हो रही हैं, जबकि लोगों को पीने का पानी भी नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने सरकार की 'किसान समर्थक' नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि हालात बेहद चिंताजनक हैं। आर अशोक के मुताबिक, बेलगावी जिले के चिक्कोडी और निप्पाणी क्षेत्रों में गन्ने की करीब 20 प्रतिशत फसल तेज गर्मी के कारण खराब हो चुकी है। वहीं, गदग जिले के 76 से अधिक गांवों में लोग गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब किसान जीवन के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तब कांग्रेस सरकार सत्ता को लेकर आंतरिक राजनीति में व्यस्त है। आर अशोक ने सरकार की कथित विफलताओं को गिनाते हुए कहा कि काबिनी, कृष्णा और मलप्रभा जैसे जलाशयों में पानी उपलब्ध होने के बावजूद बिजली की कमी के कारण किसान अपने पंप सेट नहीं चला पा रहे हैं। उन्होंने इसे एक 'विरोधाभासी स्थिति' बताते हुए कहा कि कहीं पानी है लेकिन बिजली नहीं, तो कहीं बिजली है लेकिन पानी नहीं। आर अशोका के अनुसार, यह पूरी तरह प्रशासनिक विफलता है। उन्होंने आगे कहा कि गर्मी और बिजली कटौती के कारण खेतों में गन्ने की फसल सूख रही है। आर अशोका ने सरकार से सवाल किया कि किसानों की इस परेशानी को दूर करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। पेयजल संकट पर भी उन्होंने चिंता जताई और कहा कि गडग सहित कई जिलों में हालात बेहद खराब हैं, जहां इंसान और पशु दोनों पानी के लिए जूझ रहे हैं। अशोका ने आरोप लगाया कि सरकार अप्रत्यक्ष रूप से टैंकर माफिया को बढ़ावा दे रही है।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर निशाना साधते हुए अशोक ने कहा कि वे राजनीतिक खींचतान छोड़कर उत्तर कर्नाटक के किसानों की समस्याओं पर ध्यान दें। उन्होंने प्रभावित किसानों के लिए तुरंत मुआवजे की घोषणा और गांवों में पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था करने की मांग की। आर अशोक ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द कदम नहीं उठाए, तो किसानों की पीड़ा जनता के गुस्से में बदल सकती है। इस बीच, कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने भी बढ़ती गर्मी को देखते हुए सभी जिला और तालुक अस्पतालों को हीट स्ट्रोक से निपटने के लिए विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

अगर खरगे कर्नाटक के मुख्यमंत्री बनते हैं तो पार्टी में सभी उनका स्वागत करेंगे : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि अगर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस राज्य के मुख्यमंत्री बनते हैं तो सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में सभी उनका स्वागत करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री पद में बदलाव के मुद्दे पर पार्टी के भीतर जारी अंदरूनी राजनीति और भ्रम के बीच राज्य की जनता से किए गए ''सुशासन'' के वादे को पूरा करना अधिक महत्वपूर्ण है। ये बयान ऐसे समय आए हैं जब पार्टी और राजनीतिक हलकों में चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश के विधानसभा चुनावों के परिणाम तथा कर्नाटक की दो विधानसभा सीटों के उपचुनाव नतीजे चार मई को आने के बाद इस दक्षिणी राज्य में नेतृत्व परिवर्तन और मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं।

परमेश्वर ने पत्रकारों से कहा, ''अगर खरगे मुख्यमंत्री बनते हैं तो हमें बहुत खुशी होगी, क्योंकि वह अत्यंत अनुभवी वरिष्ठ नेता हैं। अगर वह मुख्यमंत्री बनते हैं तो हम सभी उनका स्वागत करेंगे।'' जब उनसे पूछा गया कि क्या खरगे स्वयं मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और क्यों कर्नाटक से होने के बावजूद वह राज्य के नेतृत्व विवाद को सुलझाने में निर्णायक भूमिका नहीं निभा रहे, तो इस पर गृह मंत्री ने कहा, ''मुख्यमंत्री परिवर्तन के मामले में मीडिया में जो बातें आ रही हैं, उसकी हमें ज्यादा जानकारी नहीं है, कम से कम मुझे नहीं है। इसलिए इस पर बोलना उचित नहीं है।'' उन्होंने कहा कि कांग्रेस आलाकमान जो भी निर्णय करेगा, वही अंतिम होगा क्योंकि उसे राज्य की हर स्थिति की जानकारी है।

धारवाड़ में कॉलेज के छात्र ने आत्महत्या की, तीन पुलिसकर्मी निलंबित

धारवाड़। कर्नाटक के धारवाड़ में कॉलेज के एक छात्र ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मृतक छात्र के परिवार द्वारा उत्पीड़न का आरोप लगाए जाने के बाद तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि यहां के एक निजी कॉलेज में बीएससी का छात्र आदित्य म्यागेरी उन 18 छात्रों में शामिल था जिन्हें विद्यागिरी पुलिस ने 25 अप्रैल को मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान हिरासत में लिया था। पुलिस ने बताया कि आदित्य बागलकोट जिले में बेलूर गांव का निवासी था लेकिन वह धारवाड़ शहर के गिरिनगर इलाके में किराए के एक मकान में अपने दोस्तों के साथ रह रहा था। मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान हिरासत में लिये गए 18 छात्रों की जांच की गई। कुल 10 छात्रों में गांजा के सेवन की पुष्टि नहीं हुई जिसमें आदित्य भी शामिल था। उसके साथ रहने वाले कुछ छात्रों की जांच में गांजा के सेवन की पुष्टि हुई थी। आदित्य के परिवार ने आरोप लगाया कि गांजा के सेवन की पुष्टि नहीं होने के बावजूद पुलिस ने उसका उत्पीड़न किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पुलिसकर्मियों ने मामला रफा दफा करने के लिए 2,000 रुपये भी मांगे थे और रकम नहीं देने पर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी भी दी थी। परिवार ने दावा किया कि उसने अपनी मां से पैसों का इंतजाम करने को कहा था लेकिन वह तुरंत इसकी व्यवस्था नहीं कर पाई थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सोमवार रात को आदित्य ने कथित तौर पर अपने किराए के मकान में छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। परिवार का आरोप है कि पुलिस उत्पीड़न और पैसों की मांग को लेकर दबाव ने उसे आत्महत्या का कदम उठाने के लिए मजबूर किया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 03 यूबीएल 2026-27 दिनांकः 24.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
हुबली मण्डलः हुबली-गडग रोड, हुबली में पुराना अस्पताल के पुराने भवन का सुधार (शेष कार्य)	रु. 1,53,03,856.00/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 18.05.2026 को 11.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मण्डल अभियंता/समन्वय/हुबली

PUB/75/AAD360/PRB/SWR/2026-27

टिकट की आसान बुकिंग, पीएनआर स्थिति की जांच और अन्य रेलवे सेवाओं की जानकारी के लिए **रेलवन** एप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे

ई-प्रोक्योरमेंट (आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं.एच-जीएस-यूबीएल-01-2026-27 दिनांक 23.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
हुबली मण्डलः बल्लारी-रायदुर्ग खण्डः ओबुलापुरम स्टेशन में दो अतिरिक्त लूप लाइनों का प्रावधान साथ में आर एंड डी सुविधाएं, साथ में संबद्ध सिविल, ट्रैक, सिग्नल, टीआरडी और इलेक्ट्रिकल (सामान्य) वर्क्स (फेस II) (संयुक्त निविदा)	रु. 29,08,46,770/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 22.05.2026 को 11.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in

मुख्य परियोजना प्रबंधक/गति शक्ति/हुबली

PUB/70/AAD360/PRB/SWR/2026-27

टिकट की आसान बुकिंग, पीएनआर स्थिति की जांच और अन्य रेलवे सेवाओं की जानकारी के लिए **रेलवन** एप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं. वाई/ई.29/2026-27/11 दिनांकः 23.04.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
(पुनः-निविदा) 1) मैसूरू में एलएचबी/आईसीएफ कोच अनुरक्षण सुविधाओं में वृद्धि. 2) अशोकापुरम स्टेशन पर सीएंडडब्ल्यू गतिविधियों के लिए सर्विस रूम का निर्माण- विद्युत प्रबंध	रू. 14,47,966.78

निविदा सूचना सं. वाई/ई.29/2026-27/12 दिनांकः 23.04.2026

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
(पुनः-निविदा)- मसरहल्ली में प्लेटफार्म नं. 1 का 450 मीटर तक विस्तार, साथ में हाई लेवल प्लेटफार्म, प्लेटफार्म शेल्टर तथा अन्य सुविधा कार्य	रू. 6,97,053/-

निविदाएं जमा करने की अंतिम तिथिः 14.05.2026 को 11.00 बजे तक

विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in

वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता, सामान्य/मैसूरू

PUB/76/AAD360/PRB/SWR/2026-27

टिकट की आसान बुकिंग, पीएनआर स्थिति की जांच और अन्य रेलवे सेवाओं की जानकारी के लिए **रेलवन** एप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR SWRRLY @SWRAILWAYHQ @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैंः

ई-निविदा सूचना सं: B/TRD.2026-27/04 दिनांक: 22.04.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
बेंगलुरु मंडल में टीटीसी और पोर्टल्स पर चिड़ियों के घोंसले बनाने से रोकने के लिए नायलॉन मेश लगाना।	रु. 53.36.100.00

ई-निविदा सूचना सं: B/TRD.2026-27/05 दिनांक: 22.04.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
(1) 2027 तक 3000 मेट माल लोडिंग के लक्ष्य की मांग को पूरा करने के लिए एसजीटी वैगन डिपो की प्रस्तावित क्षमता बढ़ाने के संबंध में ओएचई में बदलाव। (2) एसजीटी यार्ड में एनएमजी रखरखाव के लिए नए आईओएच शेड के प्रस्तावित निर्माण के संबंध में ओएचई में बदलाव। (3) एसजीटी-टीआरडी कार्यों में एसी लोको ट्रिप शेड में नई पिटलाइन का निर्माण।	रु. 5,26,82,274.76

ई-निविदा सूचना सं: B/TRD.2026-27/07 दिनांक: 22.04.2026

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
(1) पीएफ 7 और 8 के कम ऊंचाई वाले एचटी शेल्टर को बदलने के संबंध में ओएचई में बदलाव; दूसरे प्रवेश द्वार भवन और प्लेटफॉर्म प्रवेश द्वार के बीच खुले क्षेत्र में शेल्टर की व्यवस्था, जिसमें ग्रेनाइट फर्श भी शामिल है। (2) बेंगलुरु में एसी लोको ट्रिप शेड के विस्तार के संबंध में ओएचई में बदलाव। (3) बेंगलुरु यार्ड में पिट लाइन नंबर 1 के लिए ओएचई की व्यवस्था। (4) बेंगलुरु यार्ड में ट्रामवे ओएचई को पारंपरिक ओएचई में बदलना। (5) रोड-5 के बगल में मौजूदा माल उतारने वाले प्लेटफॉर्म को हटाकर, बेंगलुरु छोर की ओर 650मी की शंटिंग नेक के साथ प्रस्तावित रोड-06 (686मी. की स्पर लाइन) की व्यवस्था के संबंध में ओएचई में बदलाव। (6) बेंगलुरु - येलियूर सेक्शन में कृष्णदेवराया स्टेशन पर पीएफ-1 और पीएफ-2 को 150 मीटर लंबाई और 5 मीटर चौड़ाई तक बढ़ाने के प्रस्तावित कार्य के संबंध में ओएचई में बदलाव। (7) वाय टीएसए, डाउन लाइन पीटीएफई को स्थानांतरित करने के संबंध में ओएचई में बदलाव। (8) बेंगलुरु मंडल - चन्नपट्टना (सीपीटी) यार्ड में एलसी नं. 47 के पास किमी. 55/200 पर पैदल चलने वालों की आवाजाही (4टी क्रॉसिंग) के लिए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के निर्माण के संबंध में ओएचई में बदलाव (गैंगवेः 32मी x 3मी, सीढ़ियाँः 2 x 20मी)।	रु. 3,59,17,099.69

उपरोक्त निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथिः 14.05.2026, 15:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ मंडल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर टीआरडी/ बेंगलूरु

PUB/66/AAF/PRB/SWR/2026-27

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए **RailOne** ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

जनगणना संवैधानिक दायित्व, इसे राष्ट्रीय कर्तव्य मानकर पूरा करें : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों से भारत की'जनगणना 2027' में अपनी सहभागिता निभाने के लिए अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन मात्र नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा तय करने वाला एक महान राष्ट्रीय यज्ञ है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि जनगणना में सहभागिता को सामाजिक न्याय के अवसर के रूप में अपनाएं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है। जनगणना कार्मिक लंबी दूरियां तय करके लोगों तक पहुंचेगे, ऐसे में आमजन जनगणना के कार्य में उनका सहयोग दें। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि मकान और परिवार से संबंधित सटीक, सत्य और पूर्ण जानकारी प्रदान कर इस राष्ट्र यज्ञ में अपनी आहुति दें। उन्होंने बताया कि राजस्थान में जनगणना 2027 का प्रथम चरण मई से शुरू हो रहा है। इसके तहत मकानों की सूची और गणना का कार्य 16 मई से 14 जून तक किया जाएगा। इस दौरान प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्रित करेंगे। प्रदेशवासी आवश्यक सहयोग करते हुए मकानों की गणना से संबंधित प्रश्नों के सही उत्तर देकर अपना दायित्व निभाएं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि डिजिटल इंडिया के विजन को आगे बढ़ाते हुए 1 मई से 15 मई के बीच नागरिकों को स्व-गणना की सुविधा भी दी जाएगी। उन्होंने आग्रह किया कि प्रत्येक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठाएं और िश.लशर्पीी.सीं.ळप पोर्टल के जरिए अपनी जानकारी दर्ज कर इस राष्ट्रीय दायित्व के सहभागी बनें। गौरतलब है कि सटीक जनगणना विकास योजनाओं का एक महत्वपूर्ण आधार है। जनगणना के समय संकलित आंकड़ों से ही केन्द्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का निर्धारण एवं क्रियान्वयन प्रभावशाली ढंग से संभव हो पाता है। सरकार को पुख्ता आंकड़ों से ही गांव-शहरों के व्यक्तियों और परिवारों की स्थिति, बिजली, पानी, सड़क, शौचालय, स्कूल, चिकित्सालय, घरेलू गैस कनेक्शन आदि की उपलब्धता और आवश्यकता के बारे में जानकारी मिलती है। ऐसे में सभी नागरिक अपना सक्रिय योगदान देते हुए जनगणना 2027 को सफल बनाएं।

आमजन जनगणना अभियान में सक्रिय रूप से हिस्सा लें : राज्यपाल

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को लोगों से आगामी जनगणना अभियान में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि नागरिक एक मई से 15 मई के बीच खुद गणना पोर्टल पर जाकर अपने और अपने परिवार के सदस्यों के विवरण दर्ज करें। राज्यपाल ने कहा कि 16 मई से 14 जून तक गणनाकर्मी घर-घर जाकर आंकड़े एकत्र करेंगे और पहले चरण में मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से आवास, सुविधाओं, संपत्ति एवं अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाई जाएंगी। बागड़े ने कहा कि जनगणना केवल जनसंख्या की गिनती नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक दस्तावेज है, जिसमें शिक्षा, रोजगार, लैंगिक अनुपात और जाति जैसी जानकारियां शामिल होती हैं।

राजस्थान का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र जयपुर जिले में प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत राजस्थान का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र जयपुर जिले के ताला (कुंडा की ढाणी) में शुरू किया गया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस संयंत्र की क्षमता 4.9 मेगावाट है और इसे डेकला गांव में स्थापित किया गया है, जो ताला के 33 केवी सब-स्टेशन से जुड़ा है। यह परियोजना लगभग 24 बीघा भूमि पर फैली हुई है और दिन के समय कृषि उपयोग के लिए 437 किसानों को बिजली उपलब्ध कराएगी।

पीएम कुसुम योजना के कंपोनेंट-सी के तहत पांच मेगावाट तक की क्षमता वाले सौर संयंत्र स्थापित किए जा सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह अब तक राज्य में स्थापित सबसे अधिक क्षमता वाला संयंत्र है। राजस्थान में अब तक कंपोनेंट-ए और सी के तहत कुल 1,819 सौर संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 4,027 मेगावाट है।

कोटा के 'सिटी मॉल' में भीषण आग लगी, कोई भी हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में बुधवार की सुबह 'सिटी मॉल' की दूसरी मंजिल में भीषण आग लग गई, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और करीब दो घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। कोटा नगर निगम के अग्निशमन अधिकारी अमजद खान ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आग सुबह करीब 10 बज कर 30 मिनट पर लगी। उस समय मॉल की अधिकतर दुकानें बंद थी। उन्होंने बताया कि मौके पर दमकल की कम से कम 15 गाड़ियों को भेजा गया और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। घटना की सूचना मिलने पर कोटा शहर की पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) दिलीप सैनी और नगर निगम के अन्य अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे। अधिकारी खान ने कहा, मॉल के अंदर कोई फंसा हुआ नहीं मिला और कोई घायल नहीं हुआ है। उनके अनुसार शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी।

एसीपी सैनी ने पत्रकारों से कहा कि शुरुआती तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि आग मॉल की दूसरी मंजिल से ही शुरू हुई। उन्होंने कहा कि मामले की जांच जारी है।

दोहरे हत्याकांड के भगोड़ा घोषित आरोपी राजस्थान से गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। दिल्ली पुलिस ने उत्तम नगर में दुश्मनी के चलते दो लोगों की हत्या करने के आरोप में 24 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि उत्तम नगर निवासी आकाश उर्फ अक्की नाम का आरोपी पिछले साल दिसंबर से फरार था और द्वारका की एक अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था। पुलिस के अनुसार, यह मामला 21 दिसंबर 2025 की घटना से संबंधित है, जब उत्तम नगर में निजामुद्दीन और मोहम्मद समीर नामक दो व्यक्तियों पर हमला किया गया था। निजामुद्दीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि समीर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पुलिस ने बताया कि बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करने के बाद उन्होंने जांच शुरू की। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुमित और निखिल नाम के दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि आकाश फरार था। उन्होंने कहा, पुलिस ने फरार आरोपी का पता लगाने के लिए लगातार प्रयास किए। विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर पता चला कि वह राजस्थान के ब्यावर में छिपा हुआ था।

पुलिस ने ब्यावर में छापा मारा और स्थानीय खुफिया जानकारी की मदद से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आकाश ने कथित तौर पर कबूल किया कि उसने अपने साथियों के साथ दुश्मनी के चलते हत्याएं कीं और गिरफ्तारी से बचने के लिए दिल्ली भाग गया था। पुलिस ने बताया कि वह एक दोस्त के साथ रह रहा था और पकड़े जाने से बचने के लिए बार-बार अपने फोन नंबर बदल रहा था। आगे की कार्यवाही जारी है।

समितियों को अधिक प्रभावी व क्रियाशील बनाया जाए : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान विधान सभा की समितियों को अधिक प्रभावी व क्रियाशील बनाए जाने की आवश्यकता प्रतिपादित की है। देवनानी ने विधान सभा की समितियों को जवाबदेही बनाने, समितियों की बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति बढाने के साथ ही परीक्षणों की संख्या में वृद्धि किये जाने के लिए समितियों के सभापतियों से चर्चा की।

देवनानी ने सभापतियों से कहा कि विधान सभा की समितियां महत्वपूर्ण होती हैं। इनको प्रभावी बनाया जाना आवश्यक है। देवनानी ने अपेक्षा जाहिर की कि समितियों को सशक्त बनाने के लिए कमियों का निराकरण करें और कार्यों को परिणाम तक पहुँचाएं। देवनानी ने कहा कि विधान सभा की वित्तीय समितियों के माध्यम से वित्तीय प्रबंधन पर पूरी तरह से मॉनिटरिंग होती है। जनलेखा समिति द्वारा अंकेक्षण कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि राजकीय उपक्रम समिति, विभिन्न उपक्रमों की कार्यप्रणाली की निगरानी करती है। अनुसूचित जाति कल्याण समिति, अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति, पिछडे वर्ग के कल्याण संबंधी समिति, अल्पसंख्यकों के कल्याण संबंधी समितियों के माध्यम से इन वर्गों की समस्याएं और इनके निमित रखे गए बजट पर चर्चा की जाती है। देवनानी ने बताया कि प्रश्न एवं सन्दर्भ समिति, पर्यावरण संबंधी समिति आदि विषयों की समितियां भी अपने-अपने क्षेत्रों की समीक्षा करती है। इससे प्रशासनिक सुधार भी होता है।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि विधान सभा की समितियां सदन का लघुरूप होती है। इन समितियों को अधिक सक्रिय किये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभापतियों को संबंधित समितियों में सदस्यों की उपस्थिति को आवश्यक रूप से सुनिश्चित करना होगा। देवनानी ने कहा कि सदस्यों को समितियों के कार्यों में प्रभावी रूप से शामिल करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सदस्य समिति की बैठक के समय का बैठक के कार्यों में पूरा सदुपयोग करे। देवनानी ने समिति के कार्यों में प्रत्येक सदस्य की रूचि बढाने की आवश्यकता जताई।

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि समितियों को उनसे संबंधित विभागों के विभिन्न मामलों में परीक्षणों की संख्या बढाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए समितियां विभागों के विषयों का चुनाव करें और विभागों को उन मामलों से संबंधित ब्यौरों की वांछित जानकारी आवश्यक रूप से उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित करें। देवनानी ने कहा कि एक महीने में दो परीक्षण आवश्यक रूप से किये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि विभागीय अधिकारी समय बढाने का अनुरोध करें, तो उस परीक्षण में दो दिन से अधिक समय नहीं दिया जाना चाहिए।

बैठक में उपस्थित सभापतियों ने समितियों को सक्रिय बनाने के लिए सुझाव दिए। देवनानी के समक्ष समितियों की बैठक 10 दिन करने, मानदेय तीन हजार रुपये किये जाने, घटना व दुर्घटनाओं पर समिति को संज्ञान लेने, एक जिले में एक महीने में एक बार जाकर प्रत्यक्ष समीक्षा किये जाने, बैठकों का समय प्रथम पारी का प्रात: 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक और द्वितीय पारी का समय 2:30 से 5:30 करने, परीक्षण में विधान सभा के वरिष्ठ अधिकारी को शामिल किये जाने संबंधी सुझाव आए।

अध्यक्ष देवनानी द्वारा बुलाई गई बैठक में विधान सभा की समितियों के सभापति मौजूद रहे। बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सभापतिगण कालीचरण सराफ, राजेन्द्र पारीक, अर्जुन लाल जीनगर, फूल सिंह मीणा, हरि सिंह रावत, केसाराम चौधरी, नरेन्द्र बुडानिया, रमेश खींची, श्रीमती कल्पना देवी, कैलाश चन्द्र वर्मा और जितेन्द्र गोठवाल मौजूद रहे। बैठक में विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी उपस्थित थे।

राजस्थान हाई कोर्ट से आसाराम को राहत, मेडिकल कारणों से 25 मई तक बढ़ी जमानत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर/अहमदाबाद । राजस्थान हाई कोर्ट ने बुधवार को रेप केस में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम की अंतरिम जमानत को चिकित्सा कारणों से 25 मई तक बढ़ा दिया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश एसपी शर्मा और न्यायमूर्ति संगीता शर्मा की खंडपीठ ने आसाराम की जमानत अवधि बढ़ाने के लिए दायर एक आवेदन पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया, जिसकी अवधि मई की शुरुआत में समाप्त होने वाली थी। अदालत ने निर्देश दिया कि अंतरिम राहत 25 मई तक या उच्च न्यायालय द्वारा उनकी लंबित आपराधिक अपील पर फैसला सुनाए जाने तक, जो भी पहले हो, जारी रहेगी। आसाराम की ओर से पेश हुए अधिवक्ता यशपाल राजपुरोहित ने बताया कि हाई कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार अपील पर सुनवाई पूरी कर ली है और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है।

उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद हाई कोर्ट ने अपील पर सुनवाई पूरी कर ली है और फैसला सुरक्षित रख लिया है। आसाराम का इलाज अभी जारी है, इसलिए इलाज पूरा होने तक जमानत की अवधि बढ़ाई जानी चाहिए।

राज्य सरकार ने इस याचिका का विरोध किया और अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपक चौधरी ने अंतरिम जमानत की अवधि को और आगे बढ़ाने के खिलाफ तर्क दिया। 84 वर्षीय आसाराम को एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद से 2018 से आजीवन कारावास की सजा काटनी पड़ रही है। उन्हें सर्वप्रथम जनवरी 2025 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अंतरिम चिकित्सा जमानत दी गई थी, और बाद में अक्टूबर 2025 में राजस्थान हाई कोर्ट से छह महीने की जमानत मिली थी, जिसकी अवधि समाप्त होने वाली थी।

विवाहिता की मौत के बाद पीहर पक्ष ने ससुराल में की तोड़फोड़, पति का अपहरण कर जंगल ले जाकर की हत्या

महिला की मौत के बाद पीहर पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया। इसके बाद दर्जनों लोग हथियारों के साथ ससुराल पहुंचे और जमकर हंगामा करते हुए घर में तोड़फोड़ की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर जिले के ओगणा थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। इलाज के दौरान विवाहिता की मौत के बाद गुस्साए पीहर पक्ष ने पति पर हत्या का आरोप लगाते हुए पहले उसके घर में तोड़फोड़ की और फिर उसका अपहरण कर जंगल में ले जाकर पत्थरों से कुचलकर हत्या कर दी। ओगणा थाना क्षेत्र के चोखला बारा गांव निवासी पारू (25) पत्नी पिंटूलाल वडेरा की 24 अप्रैल को तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर उसे उदयपुर रेफर किया गया, जहां 27 अप्रैल देर रात उसकी मौत हो गई।

महिला की मौत के बाद पीहर पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया। इसके बाद दर्जनों लोग हथियारों के साथ ससुराल पहुंचे और जमकर हंगामा करते हुए घर में तोड़फोड़ की। आरोप है कि मौके पर मौजूद पुलिस ने हस्तक्षेप करने के बजाय घटना की रिकॉर्डिंग की। बुधवार सुबह मृतका का भाई करण अपने साथियों के साथ फिर गांव पहुंचा और पिंटूलाल का अपहरण कर लिया। इसके बाद उसे अम्बावी (उपरेटा) के जंगल में ले जाकर पत्थरों से कुचलकर हत्या कर दी गई।

ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। जंगल से शव बरामद कर लिया गया है, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गए हैं। पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और मामले की जांच जारी है। मृतक पिंटूलाल परिवार का इकलौता कमाने वाला था।

उसके पिता का डेढ़ माह पहले और मां का एक साल पहले निधन हो चुका है। परिवार में उसकी दो नाबालिग बहनें (14 और 16 वर्ष) और 5 साल का छोटा भाई है, जिनकी जिम्मेदारी उसी पर थी। अब तीनों बच्चे बेसहारा हो गए हैं। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। डीएसपी विवेक सिंह राव मौके पर पहुंचे और हालात को संभाला। ओगणा थाना पुलिस का जाब्ता गांव में तैनात है। फिलहाल गांव में भारी पुलिस बल तैनात है और हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है।

बालिका शिक्षा से देश और प्रदेश की प्रगति संभव : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि बालिका शिक्षा से देश प्रदेश व समाज की प्रगति अधिक सुसंगत और मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को अच्छी शिक्षा दिलायें जिससे समाज और परिवार प्रगति करें। राज्यपाल बागड़े बुधवार को पाली जिले के रोहट गांव में राजेश्वर भगवान आंजणी माता गुरूकुल कन्या महाविद्यालय के छात्रावास के नवनिर्मित भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बालिका शिक्षा से दो परिवार शिक्षित होते है महिलायें आज हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही है और आगे है । उन्होंने कहा कि बालक हो या बालिका उन्हें अच्छी शिक्षा दिलानी चाहिये जिससे कि वे जीवन में आगे बढ़े और देशप्रदेश का नाम रोशन करे। उन्होंने साध्वी भगवती बाई के छात्रावास गुरूकुल निर्माण योगदान को प्रणाम किया। साथ ही कहा कि हमारे यहां पहले गुरूकुल पद्वति थी जिसमें हमारी संस्कृति,देव,सनातन धर्म की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि यहां पर महिला शिक्षा,संस्कारित समाज, नैतिकता,ईमानदार लोग तैयार हो ।

राज्यपाल ने महिलाओं के भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान पर प्रकाश डालते हुये कहा कि हमारे धर्म समाज में महिलाओं को देवी का रूप माना जाता रहा है उन्हें दुर्गा ,सरस्वती, काली लक्ष्मी का रूप माना गया है। राज्यपाल ने कहा कि केन्द्र सरकार की योजना बेटी बचाओ बेटी पढाओ के बारे में बालिकाओं के लिये जागरूकता के लिये लायी गयी है । उन्होंने कहा कि लड़कियां समाज परिवार पर बोझ है, इस मानसिकता से बाहर आने की आवश्यकता है। उन्होंने राजस्थान के वीरों,कुल,धर्म,संस्कृति के बारे मे विस्तार से प्रकाश डाला और साथ ही यहां के वीरता को बप्पा रावल की बहादुरी का उदाहरण दिया।

गर्मी में पानी-बिजली की शिकायतों को प्राथमिकता में रखें : श्रेया गुहा

जयपुर/दक्षिण भारत। ग्रीष्मकाल में पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति से संबंधित शिकायतों में बढ़ोतरी को देखते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव (प्रशिक्षण) एवं महानिदेशक एचसीएम रीपा श्रीमती श्रेया गुहा ने निर्देश दिए कि इन शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को समय पर राहत मिल सके।श्रीमती गुहा ने बुधवार को सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क 181 कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर ऑनलाइन पोर्टल की कार्यप्रणाली एवं शिकायत निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने शिकायत निस्तारण अधिकारियों के लिए सतत प्रशिक्षण पर जोर देते हुए कहा कि इससे निस्तारण की गुणवत्ता में सुधार आएगा।

उन्होंने निर्देश दिए कि लंबित एवं सत्यापनाधीन प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। पोर्टल पर अब तक 40.65 लाख से अधिक शिकायतें दर्ज हुई हैं, जिनमें से लगभग 38.86 लाख का निस्तारण (95.5 प्रतिशत) किया जा चुका है, जबकि करीब 1.80 लाख प्रकरण लंबित हैं। श्रीमती गुहा ने 181 हेल्पलाइन के माध्यम से परिवादियों से संवाद कर उनकी शिकायतों की स्थिति जानी तथा फीडबैक लिया।

राजस्व, बंदोबस्त के लक्ष्य सजग होकर पूर्ण करें : मेहता

जयपुर। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि समस्त अधिकारी सजग व संवेदनशील होकर प्रदत्त दायित्व की पालना करेंगे तो वांछित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकेगा। कार्य के प्रति लापरवाही एवं अनुशासनहीनता पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता उदयपुर जिलें मे वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की आबकारी नीति के तहत राजस्व, बंदोबस्त, बकाया वसूली, निरोधात्मक कार्यवाहियां सहित समस्त लक्ष्य समयबद्ध रूप से शत-प्रतिशत पूर्ण किए जाने चाहिए। बैठक में जिलेवार आबकारी राजस्व, बंदोबस्त, मदिरा उठाव, निरोधात्मक गतिविधियों, बकाया वसूली, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर लंबित विभागीय प्रकरण, जब्त वाहनों की नीलामी, मालखाना निस्तारण आदि की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने वीसी में समस्त उपायुक्त ईपीएफ, जिला आबकारी अधिकारी एवं आबकारी निरीक्षकों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रदेश में अवैध शराब के परिवहन, भण्डारण, विक्रय की रोकथाम के लिए विशेष निरोधात्मक अभियान एक से 15 मई तक चलाया जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे निर्माण में एक लाख से अधिक किसानों का योगदान : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरदोई/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण में किसानों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, क्योंकि एक लाख से अधिक किसानों ने इस परियोजना के लिए जमीन उपलब्ध कराई, जिससे इसका समय पर निर्माण संभव हो सका।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिसंबर 2021 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रखी गई आधारशिला आज साकार रूप ले चुकी है। उन्होंने कहा कि 594 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेसवे अन्नदाता किसानों की उन्नति, युवाओं के रोजगार, आस्था एवं संस्कृति के संरक्षण तथा उत्तर प्रदेश की समृद्धि का प्रमुख माध्यम बनेगा। प्रधानमंत्री द्वारा गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन समारोह से पहले आयोजित सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, राज्य के 12 जिलों के एक लाख से अधिक किसानों ने इस एक्सप्रेसवे के लिए अपनी जमीन दी। मैं उन सभी 'अन्नदाता' किसानों का आभार व्यक्त करता हूं, जिनके सहयोग से यह परियोजना साकार हो सकी। प्रधानमंत्री मोदी हरदोई के मल्लावां में आयोजित कार्यक्रम में गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने पहुंचे। यह एक्सप्रेसवे मेरठ को प्रयागराज से जोड़ता है और उत्तर प्रदेश के 12 जिलों से होकर गुजरता है। मुख्यमंत्री ने कहा, दिसंबर 2021 में रखी गई आधारशिला आज साकार हो चुकी है। यह एक्सप्रेसवे किसानों की उन्नति, युवाओं के रोजगार, आस्था व संस्कृति के संरक्षण तथा प्रदेश की समृद्धि का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि मेरठ से प्रयागराज तक फैले इस आधुनिक बुनियादी ढांचे ने 12 जनपदों के एक लाख से अधिक किसानों के योगदान से आकार लिया है। एक्सप्रेसवे के साथ 27 स्थानों पर इंटीग्रेटेड औद्योगिक क्लस्टर और लॉजिस्टिक्स हब

विकसित किए जा रहे हैं, जो आवागमन को तेज करने के साथ निवेश और रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेंगे।

आदित्यनाथ ने कहा कि डबल इंजन सरकार की दूरदर्शिता का प्रतीक यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि जिस परियोजना का शिलान्यास होगा, उसका उद्घाटन भी सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेसवे न केवल परिवहन को सुगम बनाएगा, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था, औद्योगिक विकास और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा देगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस परियोजना के लिए लगभग 18,000 एकड़ भूमि अधिग्रहित की गई है, जबकि एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक क्लस्टर और लॉजिस्टिक्स केंद्र विकसित करने के लिए करीब 7,000 एकड़ भूमि अलग से चिह्नित की गई है। उन्होंने कहा, यह एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ साबित होगा और सड़क संपर्क, कृषि विपणन तथा क्षेत्रीय विकास को मजबूती प्रदान करते हुए 'विकसित भारत' के लक्ष्य को गति देगा।

आदित्यनाथ ने कहा कि दिल्ली-मेरठ के बीच देश की पहली रैपिड रेल के उद्घाटन के साथ प्रधानमंत्री ने दूरियों को सिमटाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे, रैपिड रेल, इनलैंड वॉटरवेज, मेट्रो और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर जैसी परियोजनाएं राज्य की अपार संभावनाओं को आगे बढ़ाने का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकसित हो रहे एक्सप्रेसवे केवल दूरी कम करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके साथ रक्षा क्षेत्र में विनिर्माण कॉरिडोर जैसी बड़ी औद्योगिक परियोजनाएं भी जुड़ी हैं, जिससे ये अन्नदाता किसानों की उन्नति, युवाओं के रोजगार, आस्था और संस्कृति के संरक्षण तथा प्रदेश की समग्र समृद्धि के सशक्त माध्यम बन रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार यह एक्सप्रेसवे मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, अमरोहा, संभल, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़ और प्रयागराज सहित 12 प्रमुख जिलों को जोड़ता है। इससे यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी और आवागमन तेज, सुरक्षित तथा अधिक सुविधाजनक होगा। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने बटन दबाकर गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया।

मोदी ने कार्यक्रम स्थल पर पौधरोपण किया और उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) की प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसमें प्रदेश के एक्सप्रेसवे नेटवर्क को प्रदर्शित किया गया।

जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को प्रतीक स्वरूप मां गंगा की प्रतिमा भेंट की।

इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

कभी 'बीमारू' कहा जाने वाला उप्र अब एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरदोई (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश को असीमित क्षमताओं वाला प्रदेश करार देते हुए बुधवार को कहा कि कभी पिछड़ा और 'बीमारू' कहा जाने वाला यह राज्य अब एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने जैसे बड़े लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने हरदोई के मल्लावां में 594 किलोमीटर लम्बे गंगा एक्सप्रेसवे का लोकार्पण करने के बाद अपने सम्बोधन में उत्तर प्रदेश के विकास का जिक्र करते हुए कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में हरदोई से भी किसी एक्सप्रेसवे के गुजरने की कल्पना नहीं की जा सकती थी लेकिन यह काम सिर्फ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार में ही सम्भव हुआ है।

उन्होंने कहा, ''पहले उत्तर प्रदेश को पिछड़ा और बीमारू प्रदेश कहा जाता था लेकिन आज यह प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह बहुत बड़ा लक्ष्य है लेकिन इसके पीछे उतनी ही बड़ी तैयारी भी है क्योंकि उत्तर प्रदेश के पास असीम क्षमता है। देश की इतनी बड़ी युवा आबादी की क्षमता उत्तर प्रदेश के साथ है। इसका इस्तेमाल हम उत्तर प्रदेश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए कर रहे हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा, ''उत्तर प्रदेश ने पुरानी सियासत को भी बदला है और नई पहचान भी बनाई है।'' मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश आयेगा तो नए उद्योग और कारखाने लगेंगे और तब आर्थिक प्रगति के दरवाजे खुलने से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे, इसी विजन को केंद्र में रखकर बीते वर्षों में लगातार काम हुआ है। उन्होंने कहा, ''आप सब खुद भी महसूस कर रहे हैं कि जिस उत्तर प्रदेश की पहचान पहले पलायन से होती थी, आज उसे इन्वेस्टर्स समिट और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए जाना जा रहा है।आज अगर भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता है तो उसमें उत्तर प्रदेश की बहुत बड़ी भूमिका है।

मोदी ने डिफेंस कॉरिडोर का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का औद्योगिक विकास भारत की सामरिक ताकत भी बन रहा है। उन्होंने कहा कि बड़ी-बड़ी डिफेंस कंपनियों के अपने कारखाने लगाने से छोटेछोटे उपकरण बनाने वाले कुटीर, लघु एवं मंझोले उद्योगों को भी बहुत बड़ा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश की पहचान गड्ढों से होती थी लेकिन आज वही प्रदेश देश में सबसे ज्यादा एक्सप्रेस वे वाला प्रदेश बन चुका है, आज उत्तर प्रदेश में पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों समेत 21 हवाई अड्डे हैं।

प्रधानमंत्री ने नव लोकार्पित गंगा एक्सप्रेसवे का जिक्र करते हुए कहा कि मात्र पांच साल के अंदर बनकर तैयार हुए इस मार्ग के विस्तार की योजना पर भी काम शुरू हो गया है और जल्द ही गंगा एक्सप्रेसवे मेरठ से आगे बढ़कर हरिद्वार तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि इसके और बेहतर उपयोग के लिए फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेस वे का निर्माण कर इसे अन्य एक्सप्रेस वे से भी जोड़ा जाएगा।

भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रभावित करने के लिए तैयार किया 'समानांतर ढांचा' : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि प. बंगाल में चुनाव को प्रभावित करने के लिए केंद्रीय बलों के नेतृत्व में एक 'समानांतर प्रशासनिक ढांचा' तैयार किया गया है।

उन्होंने दावा किया कि मजबूत जनसमर्थन के कारण पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक फिर ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही हैं। यादव ने यहां प्रेसवार्ता में कहा, ''बंगाल में दीदी (ममता बनर्जी)

ऐतिहासिक वोटों से जीतने जा रही हैं। बंगाल की जनता बड़े पैमाने पर उनके पक्ष में मतदान कर रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में चुनाव को प्रभावित करने के लिए पहली बार मौजूदा प्रशासन के साथ-साथ एक समानांतर व्यवस्था स्थापित की गई है। यादव ने कहा,''हम देख रहे हैं कि केंद्रीय बलों के माध्यम से एक समानांतर ढांचा तैयार किया गया है। ऊपर से नीचे तक कमान की एक पूरी तरह से अलग श्रृंखला स्थापित की गई है।'' सपा प्रमुख ने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के स्तर पर भी हस्तक्षेप के संकेत मिल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''डीजीपी कौन होना चाहिए --इसके लिए नामों का सुझाव दिया जा रहा है और हर जिले में पुलिस प्रमुख से ऊपर एक आईपीएस अधिकारी को तैनात किया गया है।''

यादव ने कुछ अधिकारियों पर दबाव या प्रलोभन के तहत काम करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''कुछ ऐसे अधिकारी (जो पश्चिम बंगाल में तैनात हैं) हैं, जिन्हें पहले ही लाभ दिए जा चुके हैं, या जिन्हें भविष्य में लाभ का आश्वासन दिया गया है। कुछ को इसलिए भेजा गया है क्योंकि उन पर जांच या अन्य कारणों से दबाव है।'' पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने आरोप लगाया कि इससे पहले उत्तर प्रदेश के रामपुर लोकसभा उपचुनाव में भी इसी तरह की रणनीति अपनाई गई थी। उन्होंने कहा,''रामपुर में जिस तरह का मॉडल देखा गया था, अब बंगाल में भी चुनाव को प्रभावित करने के लिए उसी की नकल की जा रही है।'' सपा प्रमुख ने मतदाताओं से अधिकारियों का दुरुपयोग करने वाले लोगों के खिलाफ मतदान करने की अपील की। यादव ने आगाह किया कि इस तरह के 'मॉडल' उत्तर प्रदेश में भी अपनाए जा सकते हैं।

बिहार में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना से छात्रों का पलायन रुका : उपमुख्यमंत्री चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने बुधवार को दावा किया कि राज्य में सरकारी इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेजों की स्थापना से अन्य राज्यों में छात्रों के पलायन में काफी कमी आई है और उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि हुई है। चौधरी ने बिहार सरकार के विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

विभाग के प्रभारी मंत्री चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, ''पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में 'सात निश्चय-1' कार्यक्रम के तहत बिहार के प्रत्येक जिले में इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थापित करने की परिवर्तनकारी नीति शुरू की गई थी।

बंगाल चुनावः आरजी कर पीड़िता की मां को तृणमूल के विरोध का सामना करना पड़ा

कोलकाता/भाषा। पानीहाटी सीट से भाजपा उम्मीदवार एवं आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले की पीड़िता की मां रत्ना देवनाथ को बुधवार को उत्तर 24 परगना जिले में स्थित एक मतदान केंद्र पर जाने के दौरान तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ा।

देवनाथ ने यह भी आरोप लगाया कि मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोप को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ हुई बहस के बाद सत्तारूढ़ दल के समर्थकों ने उन्हें बूथ परिसर से बाहर निकलने से रोक दिया। उन्होंने पत्रकारों को बताया, ''जब मैं मतदान केंद्र से बाहर आ रही थी, तो मैंने एक बुजुर्ग महिला को देखा जो कमजोर लग रही थी और उसे चलने में कठिनाई हो रही थी। मैंने वहां मौजूद लोगों से उस महिला को वोट डालने में मदद करने का अनुरोध किया। लेकिन जैसे ही मैं बाहर निकली, तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मुझ पर मतदाता को प्रभावित करने का आरोप लगाया और मुझे वहां से जाने से रोक दिया।'' केंद्रीय सुरक्षा बलों के जवानों ने उन्हें वहां से निकलने में मदद की। उन्होंने केंद्रीय बलों से उपद्रव करने और मतदाताओं को डराने-धमकाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का आग्रह किया। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग ने कथित घटना की रिपोर्ट मांगी है। तृणमूल कांग्रेस नेता ने देवनाथ पर मतदाताओं को प्रभावित करने और चुनाव प्रक्रिया में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''किसी ने उन्हें धमकी नहीं दी। वह नौटंकी कर रही हैं।''

'बंगाल चुनाव में केंद्रीय बल भाजपा की मदद कर रहे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों के लिए तैनात केंद्रीय बल भाजपा के पक्ष में काम कर रहे हैं और दावा किया कि राज्य में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से नहीं कराए जा रहे हैं।

भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के मित्रा इंस्टीट्यूशन स्कूल में मतदान करने के बाद ममता बनर्जी ने केंद्रीय बलों पर तीखा हमला बोला। बनर्जी ने आरोप लगाया कि उनके पार्टी कार्यकर्ताओं और पोलिंग एजेंटों को डराया-धमकाया जा रहा है और उन्हें मतदान केंद्रों से बाहर निकाला जा रहा है। उन्होंने कहा, ''केंद्रीय बलों द्वारा किए जा रहे अत्याचार अभूतपूर्व हैं। जो कुछ हो रहा है वह किसी भी तरह से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव नहीं है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों को उनके संवैधानिक कर्तव्य निभाने के बजाय पक्षपातपूर्ण राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने भाजपा का नाम लिए बिना कहा, ''केंद्रीय बलों को देश की सीमाओं की रक्षा करनी चाहिए, लेकिन इसके बजाय वे एक विशेष पार्टी के लिए

काम कर रहे हैं।'' बनर्जी ने कई निर्वाचन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों पर मतदाताओं और तृणमूल कार्यकर्ताओं को परेशान करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, केंद्रीय बल आम लोगों को प्रताड़ित कर रहे हैं। यह लोकतंत्र का घोर दमन है। क्या यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों का उदाहरण है?'' बनर्जी ने दावा किया कि तृणमूल कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है। बनर्जी ने आरोप लगाया, उन्होंने हमारे कई कार्यकर्ताओं पर हमला किया है और हमारे मतदान एजेंटों को बूथ छोड़ने के लिए मजबूर किया है।

मुख्यमंत्री ने इससे पहले भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के कई मतदान केंद्रों का दौरा किया था, जिनमें चेतला, पद्मपुकुर और चक्रबेरिया इलाके शामिल हैं। यह दौरा स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेताओं से कथित धमकी और अनियमितताओं की शिकायतें मिलने के बाद किया गया।

ईवीएम से छेड़छाड़ पायी गई तो पुनः मतदान की संभावनाः बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी

कोलकाता/ भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज अग्रवाल ने कहा कि जिन मतदान केंद्रों पर इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ पाई जाएगी, वहां दोबारा मतदान की घोषणा किए जाने की संभावना है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि ईवीएम में टेप या स्याही से छेड़छाड़ के आरोपों पर जिला निर्वाचन अधिकारी या चुनाव पर्यवेक्षकों से रिपोर्ट मिलने के बाद ही पुनर्मतदान का आदेश दिया जाएगा। अग्रवाल का बयान ऐसे समय में आया है जब भाजपा ने आरोप लगाया है कि आज दूसरे एवं आखिरी चरण के मतदान के दौरान कुछ मतदान केंद्रों ने उसके चुनाव चिह्न को टेप से ढ़क दिया या उसपर स्याही डाल दी गई। भाजपा के सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि फाल्टा विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 144 और 189 पर पार्टी के चिन्ह पर सफेद टेप लगा दिया गया है। मालवीय ने इन मतदान केंद्रों पर पुन:चुनाव की मांग की।

पदभार ग्रहण करने के दिन से मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए काम कर रहा हूं : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने बुधवार को कहा कि फरवरी में पद संभालने के बाद से वह राज्य में शांति बहाली के लिए विधायकों, अधिकारियों और विभिन्न समुदायों के सदस्यों के साथ मिलकर लगातार संवाद कर रहे हैं।

खेमचंद सिंह ने इंफाल पश्चिम जिले के लंगथाबल निर्वाचन क्षेत्र में पांच अवसंरचना परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शांति विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण शर्त है। उन्होंने इसी के साथ लोगों से स्थायी सद्भाव के लिए एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा, ''पिछले दो महीने और बीस दिनों में, मैंने सुलह और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए विधायकों, सरकारी अधिकारियों और समुदाय प्रतिनिधियों के साथ व्यापक बातचीत की है। मैंने जिरीबाम, सेनापति, कांगपोकपी और उखरूल जिलों सहित पहाड़ी और घाटी दोनों क्षेत्रों का दौरा किया है, ताकि जनता की शिकायतों को सुना जा सके और स्थानीय मुद्दों का आकलन किया जा सके।''

मुख्यमंत्री ने हाल में राज्य में हुई हिंसा की घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान जल्द ही कर ली जाएगी।

झारखंड से लापता महिला महाराष्ट्र में मिली, आठ महीने बाद परिजनों से हुई मुलाकात

ठाणे/भाषा। झारखंड की एक मानसिक रूप से अस्थिर 40 वर्षीय महिला को एक स्वयंसेवी संस्था द्वारा उसके परिवार से मिलाया गया जो करीब एक साल पहले घर छोड़कर चले जाने के बाद महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में भटकती हुई मिली थी। गैर-सरकारी संगठन के पदाधिकारी के मुताबिक, ललिता उर्फ मानदेवी वीरेंद्र मेहता पिछले साल अगस्त में सिंधुदुर्ग के कुडाल तालुका स्थित शिवापुर इलाके में भटकती हुई मिली थी। जिसके बाद देखभाल के लिए उसे स्थानीय 'संविता आश्रम' में भर्ती कराया गया था। आश्रम का संचालन करने वाली, कुडाल स्थित 'जीवन आनंद संस्था' के न्यासी किसन चौरे ने बताया, आश्रम में उचित इलाज और सहयोग से उसकी हालत में सुधार हुई, जिसके बाद वह अपने गांव और परिवार के बारे में कुछ जानकारी दे पायी।

रांचीः पैसे न देने पर 50 वर्षीय मां की हत्या, नाबालिग बेटी हिरासत में

रांची/भाषा। झारखंड के रांची जिले में पैसे देने से इनकार करने पर अपनी 50 वर्षीय मां की कथित तौर पर हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग लड़की को हिरासत में लिया है। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि इस सिलसिले में लड़की के 'प्रेमी' समेत दो लोगों को बिहार के गयाजी से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना 24 अप्रैल को हुई थी, लेकिन मामला तीन दिन बाद 27 अप्रैल को प्रकाश में आया। मृतका की पहचान डोरंडा थाना क्षेत्र के मनीटोला की रहने वाली नाहिदा परवीन के रूप में हुई है। शहर पुलिस अधीक्षक पारस राणा ने संवाददाताओं को बताया कि इस संबंध में मृतका के देवर ने 26 अप्रैल को लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने मामले को संदिग्ध बताया था। राणा ने कहा, हमने बिहार के गयाजी जिले से दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मृतका की 17 वर्षीय दत्तक बेटी का प्रेमी शामिल है। लड़की को भी हिरासत में लिया गया है। पूछताछ के दौरान लड़की ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और बताया कि उसने अपने प्रेमी अरबाज खान (20) और उसके तीन दोस्तों के साथ मिलकर अपनी मां की हत्या की है।

आईपीएल में गेंदबाजों के लिए आक्रामकता और सही रवैया काम कर रहा है : जहीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने आईपीएल 2026 में बल्लेबाजों के आक्रामक खेल के बावजूद गेंदबाजों के लगातार बेहतर प्रदर्शन का श्रेय उनकी आक्रामक सोच और सही रणनीतियों को दिया।

बल्लेबाजों के आक्रामक प्रदर्शन के बीच अकील हुसैन (17 रन पर चार विकेट), मोहसिन खान (23 रन पर पांच विकेट), जोश हेजलवुड (12 रन पर चार विकेट) और भुवनेश्वर कुमार (पांच रन पर तीन विकेट) जैसे गेंदबाजों ने पिछले एक हफ्ते में अपनी मजबूत छाप छोड़ी है। जहीर ने ईयू टी20 बेल्जियम की जर्सी के अनावरण के मौके पर संवाददाताओं से कहा, ''मुझे यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में गेंदबाज अब वापसी कर रहे हैं। आपने कुछ कम स्कोर वाले मैच देखे हैं। आपने 155 रन के स्कोर का भी बचाव होते हुए देखा है और आपने एक टीम को 76 रन पर ऑल आउट होते भी देखा है।'' यह टूर्नामेंट छह जून से शुरू हो रहा है। जहीर ने कहा, ''मुझे लगता है कि आक्रामकता और सही रवैया गेंदबाजों के लिए काम कर रहा है। जिन टीम की गेंदबाजी में अच्छा संतुलन है वे इस टूर्नामेंट में अपना प्रभाव डाल रही हैं।''

हालांकि जहीर ने इस आईपीएल में जसप्रीत बुमराह की फॉर्म को लेकर अधिक चिंता नहीं जताई जिन्होंने सात मैच में सिर्फ दो विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा,'' उनका सत्र कुछ ऐसा ही चल रहा है। एक गेंदबाज के तौर पर आपको ऐसे दौर से गुजरना पड़ सकता है। इससे आप ना तो बड़े गेंदबाज बन जाते हैं और ना ही छोटे। यह बस एक दौर की बात है और उन्हें इस बात का पता है। अब भी उनके लिए कितने मैच बाकी हैं? शायद सात? इसलिए उनके पास चीजों को बदलने के लिए अब भी काफी समय है। आप देख चुके हैं कि उनमें किस तरह की काबिलियत है।'' जहीर ने हालांकि राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी की तारीफ की जिन्होंने अपने स्वाभाविक अंदाज को बनाए रखा। जब उनसे सूर्यवंशी के शीर्ष गेंदबाजों को निशाना बनाने की आदत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह उनकी काबिलियत और आत्मविश्वास की बात है। यह सचमुच एक खास प्रतिभा है।''

ओडिशा के मुख्यमंत्री माझी ने गृह जिले क्योंझर में 1,330 करोड़ रु की परियोजनाओं की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

क्योंझर (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बुधवार को 1,330 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की शुरुआत की, 25 उन्नत इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और अपने गृह जिले क्योंझर में 17 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 'अमा बस' डिपो का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने 251 करोड़ रुपए की लागत वाली 24 पूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया और 705 करोड़ रुपए की लागत वाली 62 नई परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने क्योंझर

के विकास को गति देने के लिए 101 आगामी परियोजनाओं के लिए 375 करोड़ रुपए के पैकेज की भी घोषणा की। परियोजनाओं की शुरुआत करते हुए माझी ने कहा कि इस नई ई-बस सेवा की सबसे बड़ी खासियत इसका किफायती किराया है, जो महज पांच रुपए से शुरू होता है। उन्होंने कहा, '' यह रोजाना यात्रा करने वाले निम्न और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए बहुत मददगार साबित होगी।''

सुविचार

वक्त से लड़कर जो नसीब बदल दे, इंसान वही जो अपनी तकदीर बदल दे, कल क्या होगा कभी मत सोचो, क्या पता कल वक्त खुद अपनी तस्वीर बदल दे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कितने खरे उतरेंगे एग्जिट पोल?

केरल, असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के एग्जिट पोल ने कई नेताओं की धड़कनें बढ़ा दी हैं। वैसे तो ये महज अनुमान हैं, लेकिन इनसे हवा के रुख का कुछ हद तक पता चल जाता है। सबसे ज्यादा चर्चा में पश्चिम बंगाल के एग्जिट पोल हैं, जहां तृणकां और भाजपा में जबर्दस्त टक्कर दिखाई दे रही है। कुछ एग्जिट पोल तृणकां के, वहीं कुछ भाजपा के मजबूत प्रदर्शन का अनुमान लगा रहे हैं। दोनों पार्टियां खुद की जीत को लेकर बड़ा दावा कर रही हैं। यह स्वाभाविक है। इस बार प. बंगाल में जैसा चुनावी माहौल था, जिस तरह रिकॉर्ड मतदान हुआ, उसके आधार पर यह अनुमान लगाना गलत नहीं होगा कि जिस पार्टी को जनता-जनार्दन का आशीर्वाद मिलेगा, भरपूर ही मिलेगा। जो जीतेगा, वह भारी बहुमत से जीतेगा। जो हारेगा, वह करारी शिकस्त चखेगा। अगर प. बंगाल में भाजपा 'कमल' खिलाने में कामयाब रही तो उसके कार्यकर्ताओं का जोश दुगुना हो जाएगा। पार्टी के राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय नेतृत्व की क्षमता पर भरोसा बढ़ेगा। इसका संदेश दूर तक जाएगा। इससे भाजपा और राजग को आगामी लोकसभा चुनावों में मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी। साथ ही, विपक्ष के लिए 'खतरे की घंटी' होगी कि उसके तमाम आरोपों को जनता ने नकार दिया। भाजपा का विस्तार होने के द्वार खुलेंगे। उस स्थिति में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता में निश्चित रूप से बढ़ोतरी होगी। अगर प. बंगाल में फिर एक बार तृणकां की सरकार आ गई तो ममता बनर्जी का सियासी कद बढ़ेगा। इससे यह संदेश जाएगा कि भाजपा को टक्कर देने का दम सिर्फ तृणकां में है। विपक्ष में यह मांग तेज हो सकती है कि आगामी लोकसभा चुनाव ममता बनर्जी के नेतृत्व में लड़ा जाए। प. बंगाल में तृणकां की जीत से विपक्ष को नई ऊर्जा मिल सकती है।

असम में हिमंत बिस्वा सरमा के आक्रामक चुनाव अभियान की झलक एग्जिट पोल में भी दिखाई दे रही है। उनमें सीटों की संख्या अलग-अलग बताई जा रही है, लेकिन इस बिंदु पर सभी एकमत हैं कि भाजपा की सरकार बन सकती है। एग्जिट पोल से केरल में यूडीएफ, तमिलनाडु में द्रमुक और पुडुचेरी में भाजपा उत्साहित है। हाल के वर्षों में एग्जिट पोल कई बार सही तो कई बार गलत साबित हुए हैं। साल 2022 में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में एग्जिट पोल काफी हद तक सही साबित हुए थे। साल 2023 में छत्तीसगढ़ में कांटे की टक्कर का अनुमान था, लेकिन भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया था। उसी साल मध्य प्रदेश में सीटों का अनुमान सटीक नहीं रहा था। राजस्थान में भाजपा की जीत का अनुमान सही साबित हुआ था। साल 2024 में हरियाणा में एग्जिट पोल गलत साबित हुए थे। उनमें कांग्रेस की वापसी का अनुमान लगाया गया था, जबकि नतीजों में भाजपा अपनी सत्ता बचाने में सफल रही थी। झारखंड और महाराष्ट्र में एग्जिट पोल सही साबित हुए थे। दिल्ली में भी पिछले विधानसभा चुनाव के नतीजे एग्जिट पोल से कुछ अलग रहे थे। आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन वैसा नहीं रहा था, जैसा एग्जिट पोल में दावा किया गया था। साल 2024 के लोकसभा चुनाव नतीजों ने भी एग्जिट पोल करने वालों को तगड़ा झटका दिया था। वास्तव में, जब एग्जिट पोल के लिए डेटा लिया जाता है तो हर व्यक्ति सही-सही जानकारी नहीं देता। जिस इलाके से डेटा लिया जाता है, उसमें कुल जनसंख्या के थोड़े-से हिस्से को शामिल किया जाता है। कई लोग बताते कुछ और हैं, वोट कहीं और दे आते हैं। अपने एसी-कक्ष में बैठकर डेटा विश्लेषण के आधार पर सीटों का अनुमान लगाने वाले 'बुद्धिजीवी' उस समय हैरान रह जाते हैं, जब नतीजे कुछ और आते हैं। जनता के मन की थाह पाना इतना आसान नहीं है। जो एग्जिट पोल चुनाव नतीजों के ज्यादा नजदीक रहेगा, उसकी विश्वसनीयता बढ़ेगी। बाकी सबके अनुमान मीम बनाने के काम आएंगे।

ट्वीटर टॉक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बाबा काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रांगण में भारत के लोगों की भावनाओं को दर्शा रहे हैं। 'शिव' का एक अर्थ 'सभी के लिए शुभ और सभी के लिए कल्याण' भी है। यह भारतीय जीवन संस्कृति का मूल सार भी है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

मुझे काशी में बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने और पूजा करने का सौभाग्य मिला। यहां, मैंने भगवान भोलेनाथ से देश के सभी नागरिकों के लिए सुख, समृद्धि और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की।ङ्गङ्गमाँ अन्नपूर्णा और माँ गंगा के दर्शन से बहुत शांति मिली।

-नरेन्द्र मोदी

राज्य में 1 मई से 2027 की जनगणना शुरू होने वाली है। 1 मई से 15 मई, 2026 तक नागरिक 'खुद गिनती' कर सकेंगे, और 16 मई से 14 जून, 2026 तक जनगणना कर्मचारी घर-घर जाकर घरों की गिनती करेंगे।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

प्रगति और अभिमान

एक प्रसिद्ध मूर्तिकार अपने पुत्र को मूर्ति बनाने की कला में दक्ष करना चाहता था। उसका पुत्र भी लगन और मेहनत से कुछ समय बाद बेहद खूबसूरत मूर्तियाँ बनाने लगा। उसकी आकर्षक मूर्तियों से लोग भी प्रभावित होने लगे। लेकिन उसका पिता उसकी बनाई मूर्तियों में कोई न कोई कमी बता देता था। उसने और कठिन अभ्यास से मूर्तियाँ बनानी जारी रखीं। ताकि अपने पिता की प्रशंसा पा सके। शीघ्र ही उसकी कला में और निखार आया। फिर भी उसके पिता ने किसी भी मूर्ति के बारे में प्रशंसा नहीं की। निराश युवक ने एक दिन अपनी बनाई एक आकर्षक मूर्ति अपने एक कलाकार मित्र के द्वारा अपने पिता के पास भिजवाई और अपने पिता की प्रतिक्रिया जानने के लिये स्वयं ओट में छिप गया। पिता ने उस मूर्ति को देखकर कला की भूरि भूरि प्रशंसा की और बनानेवाले मूर्तिकार को महान कलाकार भी घोषित किया। पिता के मुँह से प्रशंसा सुन छिपा पुत्र बाहर आया और गर्व से बोला- पिताजी वह मूर्तिकार मैं ही हूँ। यह मूर्ति मेरी ही बनाई हुई है। इसमें आपने कोई कमी नहीं निकाली। आखिर आज आपको मानना ही पड़ा कि मैं एक महान कलाकार हूँ।

सामयिक

तेल, ताकत और टकराव : होर्मुज में उलझी विश्व व्यवस्था

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

सवाल यह है कि क्या यह जिद वास्तव में किसी के हित में है? क्या राष्ट्रीय स्वाभिमान और रणनीतिक प्रभुत्व की लड़ाई इतनी महत्वपूर्ण है कि उसके लिए पूरी दुनिया को संकट में डाल दिया जाए? इतिहास हमें यह सिखाता है कि जब भी संवाद के स्थान पर टकराव को प्राथमिकता दी गई है, तब उसके परिणाम विनाशकारी ही रहे हैं।

ध दुनिया के इतिहास में ऐसे कई पल आए हैं, जब कुछ देशों की जिद, अहंकार और रणनीतिक टकराव ने पूरे वैश्विक परिदृश्य को अस्थिर कर दिया। वर्तमान समय में ईरान और अमेरिका के बीच होरमुज जलमार्ग को लेकर चल रहा तनाव उसी कड़ी का एक ताज़ा उदाहरण है। यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच की प्रतिस्पर्धा या शक्ति प्रदर्शन का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी दुनिया की आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता को प्रभावित करने वाला एक गंभीर संकट बन चुका है। यह वह स्थिति है, जहाँ एक तरफ राष्ट्रीय हितों की रक्षा का तर्क दिया जा रहा है, तो दूसरी ओर वैश्विक हितों की अनदेखी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। होर्मुज जलमार्ग, जो कि विश्व के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक है, आज केवल भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत संवेदनशील बन चुका है। दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में यदि इस मार्ग पर किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न होता है, तो उसका सीधा प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। वर्तमान परिस्थितियों में ईरान द्वारा इस मार्ग को बाधित करना और अमेरिका द्वारा आर्थिक प्रतिबंधों और नाकेबंदी की नीति अपनाना, एक ऐसे गतिरोध को जन्म दे रहा है, जिसमें समाधान की संभावनाएं क्षीण होती जा रही हैं।

इस पूरे घटनाक्रम की पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है। लंबे समय से ईरान और अमेरिका के संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। परमाणु कार्यक्रम को लेकर अविश्वास, क्षेत्रीय प्रभुत्व की होड़, और मध्य-पूर्व की राजनीति में हस्तक्षेप की नीति ने इन दोनों देशों के बीच दूरी को और बढ़ाया है। हाल के समय में जब इजराइल और अमेरिका द्वारा ईरान पर हमले की घटनाएं सामने आईं, तब ईरान ने अपनी प्रतिक्रिया के रूप में होर्मुज जलमार्ग को बाधित करने का कदम उठाया। यह कदम केवल एक सैन्य प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि एक रणनीतिक दबाव की नीति का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित करना और अमेरिका पर दबाव बनाना था। लेकिन इस टकराव का सबसे बड़ा खामियाजा उन देशों को भुगतना पड़ रहा है, जो इस संघर्ष में प्रत्यक्ष रूप से शामिल भी नहीं हैं। ऊर्जा संकट इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है। तेल और गैस की आपूर्ति में बाधा उत्पन्न होने से वैश्विक बाजारों में कीमतें बढ़ रही हैं। इसका प्रभाव विकासशील देशों पर सबसे अधिक पड़ रहा है, जहाँ पहले से ही आर्थिक चुनौतियां मौजूद हैं। आम जनता के लिए पेट्रोल, डीजल और गैस की बढ़ती कीमतें जीवन को और कठिन बना रही हैं। उद्योगों की लागत बढ़ रही है, जिससे उत्पादन और रोजगार पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

यह स्थिति केवल आर्थिक संकट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक असंतोष और राजनीतिक अस्थिरता को भी जन्म दे रही है। जब किसी देश की जनता को आवश्यक संसाधनों के लिए संघर्ष करना पड़ता है, तो वह अपने शासन से प्रश्न करने लगती है। ऐसे में कई देशों में आंतरिक तनाव बढ़ सकता है, जो आगे चलकर बड़े राजनीतिक संकट का रूप ले सकता है। इस प्रकार, एक क्षेत्रीय संघर्ष धीरे-धीरे वैश्विक अस्थिरता का कारण बनता जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य में सबसे चिंताजनक बात यह है कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी जिद पर अड़े हुए हैं। ईरान यह कह रहा है कि जब तक अमेरिका अपने प्रतिबंध नहीं हटाता, तब तक वह जलमार्ग को पूरी तरह से खोलने के लिए तैयार नहीं है। वहीं अमेरिका का कहना है कि जब तक ईरान अपने कदम पीछे नहीं हटाता, तब तक उस पर दबाव बनाए रखना आवश्यक है। यह स्थिति एक ऐसे चक्रव्यूह की तरह बन गई है, जिसमें प्रवेश तो हो चुका है, लेकिन निकलने का रास्ता दिखाई नहीं दे रहा।

सवाल यह है कि क्या यह जिद वास्तव में किसी के हित में है? क्या राष्ट्रीय स्वाभिमान और रणनीतिक प्रभुत्व की लड़ाई इतनी महत्वपूर्ण है कि उसके लिए पूरी दुनिया को संकट में डाल दिया जाए? इतिहास हमें यह सिखाता है कि जब भी संवाद के स्थान पर टकराव को प्राथमिकता दी गई है, तब उसके परिणाम विनाशकारी ही रहे हैं। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं, जहाँ कुछ देशों की महत्वाकांक्षा और जिद ने पूरी मानवता को त्रासदी के गर्त में धकेल दिया। आज भी यदि इस स्थिति का समाधान नहीं निकाला गया, तो इसके परिणाम दूरगामी और गंभीर हो सकते हैं। ऊर्जा संकट के साथ-साथ वैश्विक व्यापार भी प्रभावित हो सकता है। समुद्री मार्गों की असुरक्षा के कारण व्यापारिक गतिविधियां धीमी पड़ सकती हैं, जिससे वैश्विक आर्थिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसके अलावा, यदि यह तनाव और बढ़ता है, तो यह एक बड़े सैन्य संघर्ष का रूप भी ले सकता है, जो पूरे मध्य-पूर्व क्षेत्र को अपनी चपेट में ले सकता है।

इस संकट का समाधान केवल संवाद और कूटनीति के माध्यम से ही संभव है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संस्थाओं को मध्यस्थता करते हुए दोनों पक्षों को वार्ता की मेज पर लाना होगा। इसके साथ ही, अन्य देशों को भी इस मुद्दे पर संतुलित और निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, ताकि किसी एक पक्ष का समर्थन करने के बजाय शांति और स्थिरता को प्राथमिकता दी जा सके।इसके अतिरिक्त, यह भी आवश्यक है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की दिशा में गंभीर प्रयास किए जाएं। यदि दुनिया अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए केवल कुछ सीमित क्षेत्रों पर निर्भर रहेगी, तो इस प्रकार के संकट बार-बार उत्पन्न होते रहेंगे। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम उठाना, इस समस्या का दीर्घकालिक समाधान हो सकता है। वास्तव में यह समझना होगा कि जिद और टकराव किसी भी समस्या का समाधान नहीं होते। वे केवल समस्याओं को और जटिल बनाते हैं। आज आवश्यकता है विवेक, धैर्य और दूरदर्शिता की। यह समय है जब विश्व के शक्तिशाली देशों को अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए मानवता के हित में निर्णय लेने चाहिए। क्योंकि अंततः, किसी भी युद्ध या संघर्ष में जीत किसी एक पक्ष की नहीं होती, बल्कि हार पूरी मानवता की होती है। होरमुज जलमार्ग को लेकर चल रहा यह विवाद केवल एक क्षेत्रीय मुद्दा नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शांति, आर्थिक स्थिरता और मानवता के भविष्य से जुड़ा हुआ प्रश्न है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो इसका खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ सकता है। इसलिए, यह आवश्यक है कि जिद को त्यागकर संवाद और सहयोग की राह अपनाई जाए, ताकि एक सुरक्षित, स्थिर और समृद्ध विश्व का निर्माण किया जा सके।

ज्ञान विज्ञान

क्या मस्तिष्क की अपनी मृत्यु में रुचि है?

य ह सही नहीं है कि पृथ्वी पर केवल मानव ही एकमात्र जीव है जिसे भगवान द्वारा प्रदत्त एवं स्वजागरूक होने के उपहार प्राप्त हैं। बल्कि उसने एक बहुत ही आश्चर्यजनक उपकरण 'मस्तिष्क' विकसित किया है जिससे वह सोचता है, याद करता है एवं कल्पना करने की एक अद्भुत समझ है एवं गहन स्मृति की दिव्य दृष्टि है। इस मस्तिष्क की सहायता से मनुष्य ने अपने आनंद के लिए, सुख-सुविधा से रहने के लिए, शिक्षा के लिए बहुत सी खोजें की हैं। यह अद्भुत मस्तिष्क मानव को प्रकृति द्वारा प्रदत्त एक बहुमूल्य उपहार है।

बिना मस्तिष्क की सहायता से मनुष्य केवल पृथ्वी की सतह पर प्रारंभिक मानव उत्पत्ति के दौर में जीवित नहीं रह सकता था, क्योंकि प्रकृति बहुत ही निर्मम, हिंसक एवं आक्रामक थी। यहां रहने वाले प्रत्येक प्राणी को जीवित रहने के लिए संघर्ष करना होता था। स्वयं को सुरक्षित रखने की चुनौतियां थीं।दूसरे जीवों के मुकाबले मानव एक प्रजाति के रूप में अपने को जीवित रख पाने में अधिक सफल रहा, क्योंकि मानव के पास कल्पना शक्ति वाला मस्तिष्क था। ऐसा नहीं है कि मस्तिष्क दूसरे जीवों के पास नहीं था, परंतु उतना विकसित नहीं, जितना मानव मस्तिष्क, क्योंकि लाखों-करोड़ों वर्षों से हम देख रहे हैं कि पशु-पक्षियों, जीव-जंतुओं का मस्तिष्क अभी तक वैसा ही है, जैसा पहले था।

आज मानव मस्तिष्क एवं कल्पना शक्ति के बल पर कहां से कहां पहुंच गया एवं कठिन परिस्थितियों से निपटने में सफल रहा है। जीवित रहने व स्वयं को सुरक्षित रखने की भयंकर चुनौतियां थीं। वर्षा, तूफान, अग्नि, जंगली जानवरों, भूकंप जैसी और भी बहुत सी चुनौतियों से मानव मस्तिष्क सजग, चतुर, बहुमुखी एवं मजबूत हो गया। मस्तिष्क में मानव ने एक विश्वसनीय वस्तु प्राप्त की। वह है स्वयं को जानना। जिनमें स्मृति एक अद्भुत उपहार है, जो कि अनुभवों को याद रखने एवं स्वयं को परिष्कृत करने में मददगार रही। स्मृति न केवल विषम परिस्थितियों में जीवन के लिए सहायक रही, अपितु मनुष्य की प्रगति में भी उसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बहुत से प्राणी स्वयं को जीवित रख पाने में सक्षम नहीं हैं, क्योंकि वे सोच नहीं सकते, याद नहीं रख पाते हैं। वे मानव की तरह परिस्थितियों से समझौता करने में समर्थ नहीं हैं इसलिए बहुत सी प्रजातियां विलुप्त हो गईं। अपने सोचने, याद रखने एवं पहचानने की क्षमता से मानव एक प्रजाति के रूप में जीवित रह पाया। वह सफल रहा। मस्तिष्क स्मृति एवं बुद्धिमत्ता से एवं आपदा के समय न केवल स्वयं को जीवित रख पाया, बल्कि अपनी विवेकपूर्ण सोच से विश्व का निर्माण भी किया।

नजरिया

अहंकारी अमेरिका का आक्रामक आधिपत्य

डा. शैलेश शुक्ला

मोबाइल : 9312053330

इस प्रकार के युद्ध उग्रवाद और अस्थिरता को जन्म देते हैं। जब किसी क्षेत्र में लंबे समय तक युद्ध चलता है, तो वहाँ असंतोष और निराशा बढ़ती है, जिसका लाभ चरमपंथी संगठन उठाते हैं। इस प्रकार, जो युद्ध आतंकवाद को समाप्त करने के नाम पर शुरू किए जाते हैं, वही कई बार नए प्रकार के आतंकवाद को जन्म देते हैं। यह एक ऐसा दुष्चक्र है, जिससे बाहर निकलना अत्यंत कठिन हो जाता है।

अं तरराष्ट्रीय राजनीति के वर्तमान चरण में अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष केवल दो देशों के बीच का युद्ध नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक शक्ति संतुलन, आर्थिक स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। फरवरी 2026 से शुरू हुआ यह संघर्ष अब कई चरणों से गुजरते हुए ऐसे बिंदु पर पहुँच गया है जहाँ सैन्य कार्रवाई, समुद्री नाकेबंदी, आर्थिक दबाव और कूटनीतिक गतिरोध एक साथ दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति इस बात को उजागर करती है कि जब कोई महाशक्ति अपनी शक्ति का अत्यधिक उपयोग करती है, तो उसका प्रभाव पूरी दुनिया को झकझोर देता है। इस संघर्ष की शुरुआत बड़े पैमाने पर हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाई से हुई, जिसके बाद लगातार तनाव बढ़ता गया और समुद्री क्षेत्रों तक फैल गया। होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है, इस संघर्ष का केंद्र बन गया है। यहाँ अमेरिका द्वारा की गई नाकेबंदी और उसके जवाब में ईरान द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों ने पूरी दुनिया के ऊर्जा तंत्र को प्रभावित कर दिया है। परिणामस्वरूप तेल की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है और वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर होती जा रही है।

यह संघर्ष केवल आर्थिक संकट तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सबसे बड़ा प्रभाव मानवीय स्तर पर दिखाई देता है। युद्ध के कारण हजारों लोगों की मृत्यु हो चुकी है और लाखों लोग अपने घरों से विस्थापित हो गए हैं। ईरान के भीतर बेरोजगारी, संसाधनों की कमी और जीवन की कठिनाइयाँ तेजी से बढ़ी हैं, जिससे आम नागरिकों का जीवन अत्यंत संकटपूर्ण हो गया है। इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि युद्ध का सबसे बड़ा भार आम जनता को ही उठाना पड़ता है, जबकि निर्णय लेने वाले सत्ता केंद्र सुरक्षित रहते हैं।

अमेरिका की नीतियों की आलोचना का सबसे बड़ा आधार यही है कि वह अपनी शक्ति का उपयोग अक्सर एकतरफा तरीके से करता है। ईरान के साथ चल रहे इस संघर्ष में भी यही प्रवृत्ति दिखाई देती है, जहाँ सैन्य कार्रवाई के साथ-साथ आर्थिक प्रतिबंधों और कूटनीतिक दबाव का व्यापक उपयोग किया गया है। जब ईरान ने शांति प्रस्ताव रखते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की बात कही, तब भी अमेरिका की ओर से कठोर शर्तें सामने रखी गईं, जिससे यह संकेत मिलता है कि समाधान से अधिक नियंत्रण और प्रभुत्व को प्राथमिकता दी जा रही है।

इस प्रकार की नीतियों का वैश्विक स्तर पर व्यापक दुष्प्रभाव पड़ता है। सबसे पहले, यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को अस्थिर करता है। ऊर्जा संकट, व्यापार में बाधा और महंगाई में वृद्धि-ये सभी परिणाम इस संघर्ष के प्रत्यक्ष प्रभाव हैं। गैस और तेल की कीमतों में वृद्धि ने आम लोगों के जीवन को और अधिक कठिन बना दिया है, जिससे विकासशील देशों पर विशेष रूप से भारी दबाव पड़ा है। इसके अतिरिक्त, खाद्य आपूर्ति पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं, क्योंकि समुद्री मार्गों के अवरुद्ध होने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है।

दूसरा बड़ा नुकसान राजनीतिक स्तर पर होता है। इस संघर्ष ने विश्व को नए गुटों में बाँट दिया है, जहाँ विभिन्न देश अपने-अपने हितों के अनुसार पक्ष चुन रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना कमजोर हो रही है और वैश्विक संस्थाओं की भूमिका भी सीमित होती जा रही है। कूटनीतिक वार्ताएँ बार-बार विफल हो रही हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि शक्ति की राजनीति ने संवाद की संभावनाओं को पीछे छोड़ दिया है।

तीसरा और सबसे चिंताजनक प्रभाव यह है कि इस प्रकार के युद्ध उग्रवाद और अस्थिरता को जन्म देते हैं। जब किसी क्षेत्र में लंबे समय तक युद्ध चलता है, तो वहाँ असंतोष और निराशा बढ़ती है, जिसका लाभ चरमपंथी संगठन उठाते हैं। इस प्रकार, जो युद्ध आतंकवाद को समाप्त करने के नाम पर शुरू किए जाते हैं, वही कई बार नए प्रकार के आतंकवाद को जन्म देते हैं। यह एक ऐसा दुष्चक्र है, जिससे बाहर निकलना अत्यंत कठिन हो जाता है। अमेरिका की दादागिरी की आलोचना इसी संदर्भ में की जाती है। जब कोई देश अपनी शक्ति के बल पर वैश्विक व्यवस्था को नियंत्रित करने का प्रयास करता है, तो वह न केवल अन्य देशों की संप्रभुता को प्रभावित करता है, बल्कि पूरी दुनिया में असंतुलन पैदा करता है। ईरान के साथ चल रहा यह संघर्ष इस बात का ताजा उदाहरण है कि कैसे एक क्षेत्रीय युद्ध वैश्विक संकट में बदल सकता है।

अंततः, यह आवश्यक हो जाता है कि विश्व इस प्रकार की शक्ति-केन्द्रित राजनीति पर पुनर्विचार करे। एक बेहतर दुनिया का निर्माण तभी संभव है जब सभी देश समानता, न्याय और पारस्परिक सम्मान के आधार पर कार्य करें। यदि महाशक्तियाँ अपनी शक्ति का उपयोग सहयोग और शांति के लिए करें, तो ही वैश्विक स्थिरता सुनिश्चित की जा सकती है। अन्यथा, अमेरिका और ईरान जैसे संघर्ष बार-बार उत्पन्न होते रहेंगे और मानवता को उनकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगा।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत की छठी सबसे अच्छी यूनिवर्सिटी बनी ‘केआईआईटी’

पूर्वी भारत में नंबर 1 पर पहुंची ‘केआईआईटी’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। शहर की केआईआईटी डीम्ड यूनिवर्सिटी ने टाइम्स हायर एजुकेशन एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में भारत की सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के संस्थानों में, 6वीं रैंक हासिल की है। यह यूनिवर्सिटी न सिर्फ़ ओडिशा में, बल्कि पूरे पूर्वी भारत में सबसे अच्छी रैंक वाला संस्थान बनकर उभरी है। वर्ष 2025 में केआईआईटी यूनिवर्सिटी को देश में 8वीं सबसे अच्छी यूनिवर्सिटी का दर्जा मिला था। वैश्विक स्तर पर केआईआईटी एशिया में 169वीं रैंक पर पहुँच गई है, जो वर्ष 2024 में 196वीं और 2025 में 184वीं रैंक पर थी।

दि एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 ने 36 देशों की 929 यूनिवर्सिटीज़ का मूल्यांकन पाँच मुख्य क्षेत्रों में कड़े परफ़ॉर्मेंस इंडिकेटर्स के आधार पर किया है जिसमें शिक्षा प्रशिक्षण (सीखाने का माहौल), रिसर्च का माहौल (मात्रा, आय और प्रतिष्ठा), रिसर्च की गुणवत्ता (साइटेशन का असर, मज़बूती, उत्कृष्टता और प्रभाव), इंटरनेशनल आउटलुक (स्टाफ़, छात्र और रिसर्च), और इंडस्ट्री से आय (ज्ञान का आदान-प्रदान और पेटेंट) क्षेत्र शामिल हैं। केआईआईटी व केआईएसएस के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने इस रैंकिंग की सराहना करते हुए कहा कि यह एकेडमिक उत्कृष्टता हासिल करने की दिशा में फ़ैकल्टी, स्टाफ़ और छात्रों के लगातार प्रयासों और समर्पण को दिखाती है।

साहित्यिक चोरी संबंधी कानूनी लड़ाई पर सुजॉय ने कहा: इसे हल्के में लेना मुझे भारी पड़ा

मुंबई/भाषा। फिल्मकार सुजॉय घोष ने 2016 की अपनी फिल्म ‘कहानी 2: दुर्गा रानी सिंह’ को लेकर कानूनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात की है और कहा है कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि साहित्यिक चोरी की शिकायत एक दशक लंबे आपराधिक मामले में बदल जाएगी। उन्होंने साथी रचनाकारों से अपील की कि वे इस तरह के खतरों को शुरू से ही गंभीरता से लें।

‘स्क्रीनराइटर्स एसोसिएशन’ (एसडब्ल्यूए) द्वारा आयोजित एक परिचर्चा में घोष ने याद किया कि अभिनेत्री विद्या बालन अभिनीत इस फिल्म की रिलीज होने के शीघ्र बाद विवाद कैसे शुरू हुआ। फिल्मकार के अनुसार फिल्म के लेखक रॉबिन भट्ट ने उन्हें बताया कि एक व्यक्ति ने पटकथा की नकल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उस समय उन्होंने इस दावे को निराधार बताया लेकिन उनका यही लापरवाहपूर्ण रवैया महंगा साबित हुआ। उन्होंने कहा, ‘‘यह ऐसा था जैसे कोई कहे,‘तुमने उस व्यक्ति को मार डाला’, मैंने कहा, ‘मैंने नहीं मारा’ और मुझे इसे गंभीरता से क्यों लेना चाहिए।’ यही मेरी सबसे बड़ी गलती थी। अचानक, मेरे खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज हो गया क्योंकि हमारे देश में बौद्धिक संपदा अधिकार एक आपराधिक मामला है।’’ घोष ने कहा, ‘‘तो, अगर मैं आप पर (साहित्यिक चोरी का) आरोप लगाता हूं, तो आप मेरे खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर सकते हैं। यह अचानक हुआ।

शुरू में मैंने इसे गंभीरता से नहीं लिया। यह एक धीमी आग की तरह है, जो धीरे-धीरे गति पकड़ती है और लड़ाई बड़ी होती जाती है और इससे पहले कि आपको पता चले, यह आप तक पहुंच जाती है।’’पटकथा लेखन समुदाय के भीतर के विवादों पर स्क्रीनराइटर्स एसोसिएशन ने यह परिचर्चा आयोजित की थी।

अहमदी संप्रदाय से जुड़ी यौन अपराध जांच के तहत कई गिरफ्तारियां हुईं

लंदन/भाषा। उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड में अहमदी संप्रदाय के सदस्यों से जुड़े गंभीर अपराधों की जांच के तहत कई गिरफ्तारियां की गई हैं। ब्रिटिश पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। ‘चेशायर कांस्टेबुलरी’ (चेशायर पुलिस) ने कहा कि उसे पिछले महीने क्रू में ‘अहमदी रिलीजन ऑफ पीस एंड लाइट’ नामक एक धार्मिक समूह के सदस्यों से जुड़े गंभीर यौन अपराधों, जबरन शादी और आधुनिक गुलामी के आरोपों के बारे में जानकारी मिली थी। उसने कहा कि खबर है कि ये अपराध इसी समूह की एक महिला के साथ 2023 में हुए थे। चेशायर कांस्टेबुलरी ने कहा, ‘‘आरोपों की विस्तृत जांच के बाद, अधिकारियों ने 29 अप्रैल को वेब हाउस समेत क्रू में तीन वारंट तामील कराये, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों को गिरफ्तार किया गया।’’ चेस्टरशायर पुलिस और आसपास की पुलिस के 500 से अधिक कर्मी सुबह छापेमारी में शामिल थे। गिरफ्तारियों के बाद पुलिस कर्मियों की परिसर की तलाशी जारी रही।

चेशायर कांस्टेबुलरी के मुख्य अधीक्षक गैरेथ रिगली ने कहा, ‘‘आज की कार्रवाई क्रू में ‘अहमदी रिलीजन ऑफ पीस एंड लाइट’ नामक एक धार्मिक समूह में सदस्यों से जुड़े गंभीर यौन अपराधों, जबरन शादी और आधुनिक गुलामी की खबरों की विस्तृत और ठोस जांच का परिणाम है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘जो लोग गिरफ्तार किए गए हैं, वे समूह के सदस्य हैं, लेकिन मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह किसी धर्म से संबंधित जांच नहीं है बल्कि हमें जिन गंभीर आरोपों की सूचना मिली, उसकी जांच है।’

‘हमारी फिल्म को सही तारीख दिलाने के लिए धन्यवाद’, वरुण धवन ने केजीएफ फेम यश का जताया आभार

मुंबई/एजेन्सी

सुपरस्टार और केजीएफ फेम यश की बहुप्रतीक्षित फल्मि ’टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स’ की रिलीज डेट एक बार फिर से टाल दी गई। इस फैसले के बाद अब वरुण धवन की फिल्म ’है जवानी तो इश्क होना है’ की रिलीज डेट में बदलाव किया गया। पहले यह फिल्म मई में रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे फिर से उसकी पुरानी तय तारीख पर रिलीज करने का फैसला लिया गया है। दरअसल, पहले ’टॉक्सिक’ को 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाना था। इसी वजह से ’है जवानी तो इश्क होना है’ के निर्माताओं ने अपनी फिल्म की रिलीज पहले कर दी थी और इसे 22 मई को लाने का फैसला लिया था। माना जा रहा था कि दोनों फिल्मों की रिलीज एक-दूसरे के बेहद करीब होने से बॉक्स ऑफिस पर असर पड़ सकता है। लेकिन अब जब ’टॉक्सिक’ की रिलीज आगे बढ़ा दी गई है, ऐसे में वरुण धवन की फिल्म को फिर से पुरानी रिलीज डेट 5 जून पर लाया गया है। फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आने के बाद वरुण धवन ने भी सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने अपनी फिल्म के दो नए पोस्टर साझा किए। इन पोस्टरों में उनका अलग अंदाज दिखाई दे रहा है।

पोस्ट साझा करते हुए वरुण धवन ने बताया कि उनकी फिल्म अब 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके साथ ही उन्होंने यश और मैडॉक फिल्म्स का आभार जताया।वरुण ने कैप्शन में लिखा, ’है जवानी तो इश्क होना है’ 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यश और मैडॉक फिल्म्स का धन्यवाद जिन्होंने हमारी फिल्म की रिलीज डेट तय करने में मदद की। अब यह फिल्म अपनी तय तारीख पर ही रिलीज होगी।

आईपीएल के बाद रिलीज होने वाली यह पहली फिल्म है। हालांकि रिलीज डेट बदलने के बाद अब ’है जवानी तो इश्क होना है’ के सामने एक नई चुनौती खड़ी हो गई है। अब 5 जून को इसकी सीधी टक्कर बॉबी देओल की फिल्म ’बंदर’ से होगी। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया है। बताया जा रहा है कि ’बंदर’ को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काफी सराहना मिल चुकी है, जिसकी वजह से दर्शकों के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

अमेरिका-ईरान युद्ध का पाकिस्तान की आर्थिक प्रगति पर गंभीर असर पड़ा : शहबाज

इस्लामाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को कहा कि अमेरिका-ईरान युद्ध ने पिछले दो वर्षों में पाकिस्तान द्वारा हासिल की गई आर्थिक प्रगति को गंभीर झटका दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी सरकार दोनों युद्धरत पक्षों के बीच तनाव कम करने और पश्चिम एशिया में शांति बहाल करने के प्रयासों को जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि फरवरी में युद्ध शुरू होने के बाद से वैश्विक बाजारों में ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, ‘‘युद्ध से पहले साप्ताहिक तेल खर्च लगभग 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, जो आज बढ़कर 80 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया है।’’

‘जियो टीवी’ की खबर के अनुसार, यहां कैबिनेट की बैठक के दौरान शहबाज ने कहा कि एक कार्य बल रोजाना स्थिति पर नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।

कैबिनेट को अमेरिका-ईरान वार्ता में हुई प्रगति और क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए पाकिस्तान के प्रयासों से अवगत कराते हुए शहबाज ने कहा कि इस्लामाबाद ने क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए ईमानदारी से प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता 11 अप्रैल को इस्लामाबाद में शुरू हुई जो 21 घंटे तक चली। उन्होंने यह भी बताया कि दोनों पक्षों के बीच फिलहाल युद्धविराम कायम है। उन्होंने सप्ताहांत में अराघची की इस्लामाबाद, मस्कट और मॉस्को की संक्षिप्त यात्राओं के बारे में बात करते हुए कहा, ‘‘ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची वार्ता के दूसरे चरण के लिए अपनी टीम के साथ पाकिस्तान पहुंचे। उनके साथ महत्वपूर्ण बैठकें हुईं।’’

प्रधानमंत्री ने कहा, ‘‘ईरानी विदेश मंत्री के रूस जाने से पहले, मैंने उनसे फोन पर बात की, जिसमें उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि ओमान में उनकी सभी बैठकें पूरी ईमानदारी से हुईं और अपने देश के नेतृत्व से परामर्श के बाद...वे जल्द ही सकारात्मक जवाब देंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि संघर्ष जल्द ही समाप्त हो जाएगा। पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता के दूसरे दौर की मेजबानी करने की योजना बना रहा है।

आध्यात्मिक सुकून की तलाश में ओंकारेश्वर पहुंचे अभिनेता श्रेयस तलपड़े

मुंबई/एजेन्सी

अपनी कॉमेडी व दमदार अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता श्रेयस तलपड़े इन दिनों आध्यात्मक यात्रा पर है। अभिनेता ने मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में दर्शन किए। मंगलवार को अभिनेता ने अपनी इस यात्रा की कुछ झलक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की।

इसमें वे मंदिर परिसर में भक्ति में डूबे नजर आ रहे हैं। उन्होंने मंदिर में दर्शन करने और महादेव का आशीर्वाद लेने के पलों को अपने कैमरे में कैद किया। अभिनेता ने अपने अनुभव को शेयर करते हुए बताया कि ओंकारेश्वर की ऊर्जा बेहद अद्भुत है। अभिनेता ने लिखा, महादेव ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के इस दिव्य दर्शन के लिए ऋषि पटेल जी और अग्रवाल जी का बहुत बहुत धन्यवाद। इस जगह की जो ऊर्जा है, इसे केवल अनुभव किया जा सकता है, शब्दों में बयां करना थोड़ा मुश्किल है।

अभिनेता ने अपनी पोस्ट के जरिए खुशी जाहिर करते हुए लिखा कि इस पवित्र स्थान पर पूजा करने का अवसर पाकर वे बेहद खुश और खुद को भाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, भोलेनाथ हम सभी पर अपनी कृपा बनाए रखें। हर हर महादेव। ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में नर्मदा नदी के किनारे स्थित है। यह ‘मांधाता’ या ‘शिवपुरी’ नाम के एक द्वीप पर बना हुआ है। यह भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से चौथा प्रमुख ज्योतिर्लिंग माना जाता है। खास बात यह है कि यह द्वीप ‘ॐ’ (ओम) के आकार जैसा दिखाई देता है। यहां भगवान शिव स्वयंभू शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं। इसके साथ ही ममलेश्वर (अमलेश्वर) मंदिर के दर्शन भी बहुत महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

अभिनेता श्रेयस तलपड़े जल्द ही अभिनेत्री काजल अग्रवाल के साथ सामाजिक-राष्ट्रीय ड्रामा ’द इंडिया स्टोरी में नजर आएंगे। यह फिल्म खेती में कीटनाशकों और रसायनों के दुरुपयोग के गंभीर मानवीय और पर्यावरणीय संकट को उजागर करती है। इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है और कहानी सागर बी शिंदे द्वारा लिखी और निर्मित है। यह फिल्म जी स्टूडियोज द्वारा वर्ल्डवाइड रिलीज की जाएगी, जो हिंदी के साथ-साथ तेलुगु और तमिल भाषाओं में भी उपलब्ध होगी।

मतदान

पश्चिम बंगाल के मिनिस्टर और कोलकाता पोर्ट असेंबली सीट से तृणमूल कांग्रेस के कैंडिडेट फिरहाद हकीम ने अपने परिवार के साथ बुधवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता जिले में पश्चिम बंगाल असेंबली इलेक्शन के दूसरे फेज़ के दौरान चेतला गर्ल्स हाई स्कूल में बूथ नंबर 258 पर अपना वोट डाला।

मीटिंग

केंद्रीय कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल इक्वाडोर की फॉरेन अफेयर्स और ह्यूमन मोबिलिटी मिनिस्टर गैब्रिएला सोमरफेल्ड रोसेरो के साथ बुधवार को नई दिल्ली में एक मीटिंग के दौरान।

’मैं सिर्फ भगवान को याद कर रही थी’, अक्षय कुमार के मजाक से जब डर के मारे कांप उठीं भूमि पेडनेकर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सितारों की जिंदगी जितनी चमकदार पर्दे पर दिखाई देती है, उसके पीछे उतने ही मजेदार और यादगार किस्से भी छिपे होते हैं। फिल्मों की शूटिंग के दौरान कलाकार कई बार ऐसे अनुभवों से गुजरते हैं, जिन्हें वह सालों बाद भी याद करके हंस पड़ते हैं। इस बीच, अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने भी ऐसा ही दिलचस्प किस्सा साझा किया। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग के दौरान अभिनेता अक्षय कुमार ने उनके साथ ऐसा मजाक किया था, जिससे वह बुरी तरह डर गई थीं। यह खुलासा भूमि पेडनेकर ने क्विज रियलिटी शो ’व्हील ऑफ फॉर्च्यून’ में किया। शो में बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म ’टॉयलेट: एक प्रेम कथा’ की शूटिंग से जुड़ा एक अनुभव साझा किया। भूमि पेडनेकर ने कहा, मुझे तेज रफ्तार से बहुत डर लगता है, खासकर बाइक पर बैठकर तेज चलना मुझे बिल्कुल पसंद नहीं है। ये बात अक्षय को कहीं से पता चल गई। शूटिंग के दौरान एक दिन अक्षय ने मुझसे पूछा कि क्या तुम्हें बाइक से डर लगता है। इस पर मैंने बताया है ’हां...बाइक की तेज स्पीड से बहुत ज्यादा डरती हूं।’

भूमि ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी थी कि फिल्म में कोई खतरनाक बाइक स्टंट नहीं रखा गया था। लेकिन शायद अक्षय उस समय उनके साथ प्रैंक करने के मूड में थे।भूमि ने कहा, पहले तो अक्षय कुमार ने मुझे भरोसा दिलाया कि डरने जैसी कोई बात नहीं है। वह आराम से बाइक चला रहे थे, सब कुछ नॉर्मल लग रहा था। लेकिन अचानक अक्षय ने मुझसे कसकर पकड़ने के लिए कहा। इसके बाद उन्होंने बाइक की रफ़्तार तेज़ कर दी। यह देखकर मैं बुरी तरह घबरा गई।उन्होंने कहा, ’’उस पल मैं बहुत डर गई थीं। मेरा शरीर जैसे जम सा गया था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं। डर के मारे मैं सिर्फ भगवान को याद कर रही थीं और यही प्रार्थना कर रही थीं कि सब ठीक रहे।’’ इस पुराने किस्से को याद करते हुए शो के होस्ट और अभिनेता अक्षय कुमार भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए।

किसी को नीचे गिराकर हम खुद ऊपर नहीं उठ सकते : जीनत अमान

मुंबई/एजेन्सी

बीते जमाने की अभिनेत्री जीनत अमान सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और अक्सर अपने विचार शेयर करती रहती हैं। सोमवार को भी उन्होंने ऐसा ही खास पोस्ट किया, जिसे उन्होंने अपनी मां को समर्पित किया। इंस्टाग्राम पर पोस्ट के जरिए उन्होंने बताया कि उनकी मां अपने समय से बहुत आगे थी। उन्होंने समाज की कठोर आलोचनाओं का सामना करते हुए अपनी शर्तों पर जिंदगी जी थी। जीनत ने अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की। उन्होंने इसके साथ लिखा, मेरी मां एक धार्मिक हिंदू महिला थीं, लेकिन उनके जीवन के फैसले उस दौर के हिसाब से काफी अलग थे। मेरी मां ने एक मुस्लिम व्यक्ति (मेरे पिता) से शादी की थी। उस रिश्ते के अंत के बाद, उन्होंने एक जर्मन प्रोटेस्टेंट से शादी की और जब उनका भी निधन हो गया, तो उन्होंने मुझे अकेले ही पाला और मेरे करियर की शुरुआत में मेरा साथ दिया।

उन्होंने बताया कि इन अंतर-धार्मिक फैसलों की वजह से उनकी मां को समाज में काफी विवादों और चर्चाओं का सामना करना पड़ा था।अभिनेत्री ने लिखा, मेरी मां का मानना था कि लोगों की राय उनकी अपनी होती है। उन्होंने मुझे सिखाया कि अगर आपके पास किसी के बारे में कहने के लिए कुछ भी नहीं है, तो आपका चुप रहना ही बेहतर है। मैं हमेशा सोच-समझकर ही बोलती हूं, क्योंकि मेरा मानना है कि किसी दूसरे को नीचे गिराकर हम कभी ऊपर नहीं उठ सकते।जीनत ने आगे लिखा, आजकल मैं अपने दिल में बहुत कम नफरत रखती हूं और बिना वजह मिलने वाली आलोचना को भी हल्के में ही लेती हूं। कल मैं एक दोस्त के साथ अपनी मां की इन सीखों के बारे में बात कर रही थी, तो उसने मुझे एक शानदार कोट भेजा था। जीनत ने अपने प्रशंसकों से भी एक सवाल पूछा कि वे बिना वजह की आलोचना पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं।

’भूत-बंगला’ ने बदली वामिका गब्बी की किस्मत

मुंबई/एजेन्सी। अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की कॉमेडी से भरी फिल्म ’भूत-बंगला’ बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन कर रही है। फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर चुकी है और यह वामिका गब्बी की पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ से अधिक का कलेक्शन किया है। अभिनेत्री ने फिल्म के 100 करोड़ से अधिक की कमाई पर खुशी जाहिर की है और फिल्म के मेकर्स और को-स्टार को दिल से धन्यवाद दिया है। वामिका गब्बी ने फिल्म भूत-बंगला में अपने अभिनय से सबका दिल जीत लिया है और फिल्म की कमाई की रफ्तार से अभिनेत्री काफी खुश हैं क्योंकि यह उनके करियर की पहली फिल्म है, जिसने 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया है। अभिनेत्री ने फिल्म की अनसीन फोटोज को शेयर कर अपने को-स्टार और क्रू मेंबर्स को दिल से धन्यवाद दिया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म की बीटीएस फोटोज को शेयर कर लिखा, मेरी पहली 100 करोड़ की फिल्म। प्रियदर्शन सर, अक्षय कुमार, एकता कपूर और एफ.ए.ए.आर.ए. के साथ-साथ पूरी कास्ट और क्रू का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करती हूं, जिन्होंने इस फिल्म पर भरोसा किया और अपना सब कुछ इसमें लगा दिया। भूत बंगला जितनी हमारी है, उतनी ही आपकी भी है। वामिका ने फिल्म को ढेर सारा प्यार देने के लिए दर्शकों का भी दिल से धन्यवाद दिया है। उनका कहना है कि दर्शकों के दिलों में फिल्म और उन्होंने भी एक खास जगह बना ली है। अभिनेत्री ने आगे लिखा, यहां तक ङ्कङ्क का हर कदम मेहनत, सीख और गहरी भावनाओं से भरा है। यह तो बस शुरुआत है... मैं आती रहूंगी, आगे बढ़ती रहूंगी और आपका मनोरंजन करती रहूंगी... हमेशा। बता दें कि वामिका गब्बी की झोली में पांच फिल्में हैं, जो आने वाले सालों में रिलीज होने वाली हैं। अभिनेत्री मिल सिनेमा में फेंटसी फिल्म ’जिनी,’ दिल का दरवाजा खोल ना डार्लिंग,’ ’पति पत्नी और वो दो’, पंजाबी फिल्म ’किकली,’ और एक्शन और थ्रिलर से भरी फिल्म ’जी-2’ में भी दिखने वाली है। कुछ फिल्में इसी साल तो कुछ फिल्में साल 2027 में रिलीज होने वाली हैं।

हनुमंतनगर तेरापंथ भवन में आयोजित हुई महिला मंडल संगठन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के पदाधिकारियों ने मंगलवार को हनुमन्तनगर तेरापंथ भवन में संगठन यात्रा का आयोजन किया। मंडल की पूर्व अध्यक्ष सरोज दुगड़ ने मंगलाचरण किया, वर्तमान अध्यक्षा संगीता तातेड़ ने सभी का स्वागत किया। पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री एवं कार्यसमिति सदस्य वीणा बैद ने संगठन की शक्ति, सदस्याओं की निस्वार्थ सेवा, समर्पण एवं एकजुटता की भावना की सराहना की।

उन्होंने अध्यक्ष एवं टीम को आयामों और दायित्वों के प्रति शत-प्रतिशत समर्पण के साथ सजग रहकर कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि संगठन यात्रा का उद्देश्य सभी को साथ लेकर महिला मंडल को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाना है। मंडल की कार्यसमिति की अन्य सदस्य सारिका गिरिया ने स्वास्थ्य जागरूकता पर मार्गदर्शन करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पौष्टिक भोजन लेने तथा जंक फूड से बचने हेतु प्रेरित किया। इस मौके पर संगठन यात्रा का सर्टिफिकेट देकर हनुमंतनगर महिला मंडल को सम्मानित किया गया। संचालन तारा कटारिया ने किया।

सांसारिक सुख त्यागकर अक्षय सुख की साधना हेतु मुमुक्षु संजय पुंगलिया बने जयसंयतमुनि

आचार्य पार्श्वचंद्रजी ने नवदीक्षित को 'करेमि भंते..' का मूल पाठ कराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बुधवार को सुबह फ्रीडम पार्क के प्रांगण में विशाल श्रद्धालुओं की उपस्थिति में पवित्र एवं उज्ज्वल श्वेत वस्त्र पहने श्रद्धा से नतमस्तक मोक्षमार्ग के अभिलाषी संजय पुंगलिया और संसार के समस्त पापों का जीवन पर्यंत के लिए त्याग करने की प्रतिज्ञा कराते हुए त्याग वैराग्य के साक्षात आदर्श आचार्य पार्श्वचंद्रजी मंच पर उपस्थित थे। श्रद्धा से विभोर करने वाला दृश्य था मुमुक्षु संजय पुंगलिया के जैन भागवती दीक्षा महोत्सव का। प्रातः काल की ऊर्जा से परिपूर्ण वेला में मुमुक्षु संजय पुंगलिया ने केश मुंडन के पश्चात सांसारिक वस्त्रों का त्याग कर साधुवेश धारण किया। परिवारजनों एवं मित्र जनों द्वारा दीक्षार्थी की जय जयकार से गगन गुंजायमान करते हुए मुमुक्षु ने दीक्षा पंडाल में प्रवेश कर गुरु चरणों में वंदन किया और सभी जीवों से क्षमा याचना की। तत्पश्चात आचार्यश्री ने उपस्थित जनों एवं संघ की अनुज्ञा से दीक्षार्थी संजय पुंगलिया को विधिपूर्वक दीक्षा प्रदान की। आचार्य द्वारा कराई गई 'करेमि भंते सामाइयं सावज्जं जोगं पच्चक्खामि' के मूल पाठ द्वारा जीवन भर के लिए सभी प्रकार की जीव हिंसा प्रवृत्ति का त्याग करने का संकल्प करने के पश्चात दीक्षार्थी ने अरिहंत और सिद्ध परमात्मा की स्तुति की। तत्पश्चात आचार्य पार्श्वचंद्रजी द्वारा नव दीक्षित साधक का नवीन नामकरण 'जयसंयतमुनिजी' करने की उद्घोषणा की तो उपस्थितजन 'जयसंयतमुनिजी की जय' का उद्घोष करने लग गए।

कंकर से शंकर बनाने वाले गुरु ही होते हैं : डॉ पदमचन्द्र

इस मौके पर डॉ. पदमचंद्रमुनि ने मुमुक्षु संजय पुंगलिया दीक्षा महोत्सव में पधारे श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि कंकर से शंकर और साधारण पत्थर से पारसमणि जैसा अनमोल बनाने वाले गुरु ही होते हैं। सच्चे गुरु का वरदहस्त जिनके सर पर होता है वह जीवन में उन्नति के चरमोत्कर्ष को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि संयम जीवन की समस्त कठिनाइयों को अच्छी तरह से अनुभव करने के बाद संजय पुंगलिया ने उच्च मनोबल पूर्वक संयम स्वीकार किया है। उनके गृहस्थ जीवन में अनेक साथी रहे हैं जिन्होंने हर अवसर पर उनके साथ निभाया है। हम कामना करते हैं वे साथी संयम जीवन में भी साथ निभाने आगे आएंगे। उन्होंने आचार्य सम्राट जयमल के महान संयमी जीवन का वर्णन करते हुए कहा कि आचार्य जयमलजी के आदर्श एवं प्रेरक जीवन से प्रभावित होकर उनके 750 शिष्य बने और अन्य संप्रदायों के 50 साधुओं की भी उनके मुखारविंद से दीक्षा संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि साधु साधुओं की सेवा वैयावच्च महान पुण्य का उपार्जन करने वाली होती है। डॉ. पदमचंद्रमुनिजी से प्रेरणा लेकर उपस्थित लगभग 3 हजार व्यक्तियों ने 1 वर्ष तक प्रतिदिन नवकार मंत्र की माला से पंच परमेष्ठी नमन करने का संकल्प लिया। अखिल भारतीय श्वेतांबर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ के अंतर्गत जय शिक्षा दीक्षा कोष बेंगलूरु की वैरागी वैरागण सेवार्थ वैयावच्च योजना में लगभग 150

व्यक्तियों ने वार्षिक सहयोगी बनने की घोषणाएं की। मुनिगणों ने मुमुक्षु संजय पुंगलिया का संयम मार्ग में स्वागत करते हुए भावपूर्ण गीतिका की प्रस्तुति दी।

सही गलत में अन्तर का विवेक है दीक्षा : डॉ सुयशनिधि

इससे पूर्व समणी निर्देशिका डॉ सुयशनिधिजी ने दीक्षा का दस विभिन्न प्रकार से विवेचन करते हुए कहा कि सही गलत में अन्तर का विवेक है दीक्षा। क्या स्थायी है, क्या अस्थाई है, यह विवेक ही व्यक्ति को दीक्षा की ओर ले जाता है। दीक्षा का अर्थ है कामनाओं का त्याग। जब इच्छा खत्म होती है तभी आत्मा का प्रकाश शुरु होता है। मुनि को एक नई दिव्य दिशा मिलती है। दीक्षा के बाद जीवन का अब एकमात्र एक ही लक्ष्य है मोक्ष। संयमी जीवन की एक अलग ही पवित्रता और गरिमा होती है।

सात मई को विल्सनगार्डन संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में होगी बड़ी दीक्षा

दीक्षा दिवस पर वृहद थाल समिति के प्रमुख रमेशचंद सियाल एवं राजेंद्रकुमार नाहर की विशेष सेवाओं हेतु सराहना की गई। चेन्नई से आमंत्रित गीतकार मोहन मनोज जैन की जोड़ी ने संयम की महानता का गीतों एवं मुक्तकों से वर्णन करते हुए प्रस्तुति दी। सभा का संचालन संघ के मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल ने किया। इस अवसर पर श्री अखिल भारतीय श्वेतांबर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष मीठालाल लोढ़ा, उपाध्यक्ष किरणचंद बोहरा, कोषाध्यक्ष गौतमचंद मकाणा, सहमंत्री महेन्द्रकुमार मेहता ने सभी के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर विल्सनगार्डन जैन संघ से मीठालाल मकाणा, नेमीचंद भंसाली, हीराबाग जैन संघ से डॉ. भीकमचंद सकलेचा, मल्लेश्वरम जैन संघ से प्रकाशचंद बाफना, शांतिनगर जैन संघ से छगनमल लुणावत, त्यागराजनगर जैन संघ से रमेशचंद सिसोदिया आदि ने जयसंयतमुनिजी की बड़ी दीक्षा का आयोजन करने की उनके संघ को स्वीकृति प्रदान करने का निवेदन किया। आचार्य पार्श्वचंद्रजी ने 7 मई को जयसंयतमुनिजी की बड़ी दीक्षा विल्सनगार्डन जैन संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में करने की स्वीकृति प्रदान की ।

मनुष्य की प्रेरणा और परिवर्तन के कारक हैं मंदिर : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

मंगल मंत्र विधानों के साथ संपन्न हुआ प्रतिष्ठा महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। बुधवार को मुनिसुव्रतस्वामी जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में जैन मंदिर में देव-देवी मूर्तियों की प्राणप्रतिष्ठा के अवसर पर जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मंदिर और मूर्तियां मानवजाति के खोजे हुए बहुत ही अनूठे प्राचीन आविष्कार हैं। उन्होंने मनुष्य को श्रद्धालु और सात्विक बनाते हुए दुर्विचारों एवं दुर्गुणों से मुक्त होने की प्रेरणाएं दी। उपासना स्थलियां ही वह जगह हैं जहां मनुष्य सीधा-सरल रहता है, डरता है, झुकता है, वहां की बातें मानता है और बदलने के लिए कटिबद्ध होता है। यदि दुनिया से मंदिर, मूर्तियां और उपासना स्थलियां हटा दी जाएं तो मनुष्य का जीवन अराजकता और अपराधों से भर जाएगा। मंदिरों से सांत्वना मिलती है, आशा की किरण प्रकट होती है, वहां शीश झुकाकर हर किसी को यह विश्वास जगता है कि मेरा सब अच्छा होगा। दूसरी तरफ पर्यटन स्थलों, मनोरंजन स्थलों, होटलों, सिनेमाघरों, खेल के मैदानों और भोग-उपभोग के साधनों से ऐसी कोई प्रेरणा या आशा प्रकट नहीं होती। यह निराकार परमात्मा की सार्थक प्रतीति है। आचार ने कहा कि मंदिरों, देवालयों, मूर्तियों और प्रतीकों की मान्यता व उपासना के बिना रहना मनुष्य के लिए

असंभव जैसा है। मूर्तिपूजा का कोई कितना ही विरोध करे, वह पूरी तरह सत्य और सार्थक नहीं हो सकता। विश्व में जो परंपराएं मूर्तिपूजा को नहीं मानती, वे भी अपने धार्मिक प्रतीकों और धर्मस्थलों के प्रति गहरी श्रद्धा रखती हैं। जैनधर्म के अमूर्तिपूजक संप्रदाय भी गुरु के फोटो, उनके समाधि स्थलों और अन्य ऐसे उपक्रमों को खूब मानते हैं। इस प्रकार मूर्तिपूजा का विरोध निरर्थक सिद्ध होता है और यह मानना पड़ता है कि प्रार्थना और पूजास्थलों ने मानवजाति का बहुत भला किया है। जैन संघ के महावीर संकलेचा ने बताया कि प्रतिष्ठा विधान के बाद विश्वशांति के लिए विराट शांति अनुष्ठान आयोजित हुआ। सामूहिक प्रार्थना और महाआरती की गई। गणि पद्मविमलसागर ने मंत्रविधान किए।

निर्माणाधीन सालासर मंदिर में संगीतमय सुन्दरकाण्ड कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर सालासर सेवा समिति के तत्वावधान में रांका कॉलोनी में निर्माणधीन सालासर बालाजी मन्दिर पर वैशाख पूर्णिमा के अवसर पर शुक्रवार को दोपहर 3 बजे से संगीतमय सुन्दरकाण्ड का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर विशेष पूजन कर ज्योत प्रज्ज्वलित की जाएगी तत्पश्चात पंडित शम्भुदयाल पारीक द्वारा संगीतमय सुन्दरकाण्ड की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजकों ने सभी हनुमानभक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने का न्यौता दिया है।

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु की बैठक में विभिन्न सामाजिक विषयों पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर की एक विशेष बैठक मंगलवार को अपेक्स जोन 10 के उपाध्यक्ष ज्ञानचन्द कोठारी की उपस्थिति में आयोजित हुई।

बैठक की अध्यक्षता चेयरमैन विजयराज सिसोदिया ने की। बैठक में संगठन की प्रमुख प्राथमिकताओं जैसे प्रोजेक्ट प्लानिंग, सदस्यता विस्तार अभियान, वेबसाइट सूचना सुदृढ़ीकरण एवं डिजिटल आउटरीच पहल पर विस्तृत चर्चा की गई। ज्ञानचंद कोठारी ने सेवा मिशन को विस्तार देने हेतु सदस्यता सुदृढ़ीकरण, स्थायी सामाजिक सेवा परियोजनाओं का क्रियान्वयन, जागरूकता, पारदर्शिता व डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के प्रभावी उपयोग पर बल दिया। बैठक में जीवन रक्षक इमरजेंसी हार्ट अटैक किट वितरण, महिलाओं हेतु सेनेटरी पैड जागरूकता, सिंगल-यूज़ प्लास्टिक बैग्स के विरोध में जनजागरण अभियान, किसानों के लिए जल सहायता पहल व पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण अभियान योजनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई तथा इन कार्यों को गति देने पर चर्चा हुई।

बैठक में पूर्व अध्यक्ष भारती छाजेड़, उपाध्यक्ष मनोज बाफना, दिनेश लोढ़ा, कमल पुनमिया, मुख्य सचिव आशीष पिरगल, सलाहकार रमेश दक, सुशील तलेसरा, कैलाश संकलेचा सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक का समापन भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलते हुए सेवा, करुणा एवं सामुदायिक कल्याण के प्रति महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु चैप्टर की प्रतिबद्धता को और अधिक सशक्त बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

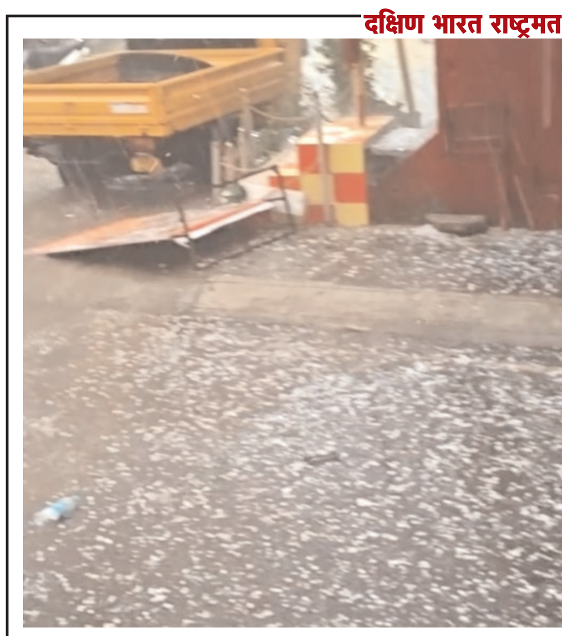

बारिश के साथ ओलावृष्टि

बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों में शाम 5 बजे से जमकर बारिश हुई। शहर के हलसूर क्षेत्र में बुधवार को तेज बारिश के साथ ओलों के साथ लंबे समय तक तेज बारिश हुई। अपने कार्य क्षेत्र से घर लौट रहे आमजनों को इस अप्रत्याशित मौसम के मिजाज से बहुत परेशानी हुई। हाथ में छाता या अन्य बचाव साधन नहीं होने से ओलों ने और परेशानी बढ़ा दी तथा अनेक लोगों को हल्की चोटें भी आई। गरज के साथ बरसी बरसात में पूरी सड़क ओलों से सफेद हो गई थीं, 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के जागरूक पाठक अभयकुमार बांठिया ने बारिश व ओलावृष्टि की एक फोटो साझा की है ।

धर्मसंघ को संगठित करने के लिए होती है संगठन यात्रा : साध्वी पावनप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के पदाधिकारियों ने मंगलवार को अर्हम भवन में साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में संगठन यात्रा का आयोजन किया गया। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर की अध्यक्ष महिमा पटावरी ने सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने अपने प्रवचन में कहा कि संगठन यात्रा धर्म संघ के लिए बहुत ही जरूरी है जिसका मुख्य उद्देश्य होता है मंडल की सार संभल करना। साध्वीश्री ने कहा कि हमें जिन संस्थाओं द्वारा पोषण प्राप्त होता है, जिससे हमारी गति प्रगति हो रही है उनके प्रति हमारे मन में श्रद्धा एवं सेवा का भाव रहना चाहिए।

ईमानदारी और प्रमाणिकता सबसे बड़ा धर्म है।ङ्गमंडल की राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या वीणा बैद ने कहा कि देश, काल, परिस्थिति और अपेक्षा के हिसाब से नियमों में बदलाव होते रहते हैं अथवा करने पड़ते हैं, ऐसे में सभी सदस्याओं को संस्था की गतिविधियों, संस्थागत नियमों की जानकारी अवश्य होनी चाहिए। इस संगठन यात्रा का मुख्य उद्देश्य है कि संस्था का प्रत्येक सदस्य संस्था के गौरव और गरिमा को अक्षुण्ण रखने के प्रति संकल्पित हो। उन्होंने मंडल की गतिविधियों का अवलोकन करते हुए त्रुटियों में सुधार एवं विकास हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। सारिका गिरिया ने स्वास्थ्य जागरूकता एवं स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के टिप्स देते हुए जंक फूड के प्रयोग पर रोक लगाने की बात कही। साध्वी प्रमुखाश्री के संदेश का तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष सुमन नाहटा के संदेश का वाचन किया गया। संचालन उपाध्यक्ष सुमित्रा बरड़िया एवं आभार ज्ञापन सहमंत्री हंसा दुगड़ ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आरोहण उत्सव

बेंगलूरु के कनकपुरा रोड स्थित केएस स्कूल ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट द्वारा अंतर महाविद्यालय उत्सव 'आरोहण-2026' का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रस्तुति दी। प्रस्तुति के आधार पर कॉलेजों का मूल्यांकन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।महाविद्यालय प्रबंधन ने मुणोत को सम्मानित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

छात्रवृत्ति सहयोग

बेंगलूरु के स्वास्तिक सेवा ट्रस्ट ने अपने शिक्षा पहल को बल देते हुए राज्य में पीयूसी द्वितीय वर्ष में रैंक प्राप्त करने वाली छात्रा अदिति जीवन को उनकी भविष्य की शिक्षा के लिए स्कॉलरशिप प्रदान की। ज्ञातव्य है कि अदिति जीवन ने वर्ष 2025-26 पीयूसी द्वितीय परीक्षा में 98.66% अंक हासिल किए हैं। ट्रस्ट के चेयरमैन सतीश मित्तल, सोमसुन्दरम बालन, गौरव जिंदल ने अदिति को स्कॉलरशिप का चैक सौंपा व उन्हें बधाई दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**